सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 337 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 20 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

राजधानी रायपुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर एफआईआर, सिविल लाइन थाने में केस दर्ज

रायपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ राजधानी की सिविल लाइन थाने में एफ्आईआर दर्ज की गई है। भाजपा नेता अमरजीत छाबड़ा की शिकायत पर पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ यह एफ्आईआर दर्ज की है। पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ धार्मिक भावना आहत करने के मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 और 302 के तहत दर्ज किया है।

सिविल लाइन थाना में भाजपा नेता अमरजीत छाबड़ा ने राहुल गांधी द्वारा विदेश में सिखों को लेकर दिए गए बयान के आधार पर यह शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा है कि सोशल मीडिया के जरिये उन्होंने राहुल गांधी का अमेरिका में सिखों को लेकर दिया गया बयान सुना। राहुल गांधी के उस बयान से भारत के सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। इस लिए इस संबंध में केस दर्ज कर राहुल गांधी को गिरफ्तारी नोटिस भेजा जाए। छाबड़ा की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने मामल दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राहुल गांधी के खिलाफ जो धारा लगाई गई है उसमें बीएनएस की धारा 299 किसी धर्म के प्रति अपमानजनक भाषा या सामग्री का इस्तेमाल करने या धार्मिक अनुष्ठानों, धार्मिक प्रतिकों का अपमान करने पर लगाया जाता है। इस धारा में 3 साज की जेल और जुर्माना या दोनों हो सकता है। इसी तरह धारा 302 किसी की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने पर लगाया जाता है। इसके तहत एक साल की जेल और जुर्माना या दोनों हो सकता है।

सीएम की पहल: स्वास्थ्य विभाग में 650 पदों पर होगी जल्द भर्ती

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पतालों में उन्नत चिकित्सकीय उपकरण के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती भी की जा रही है। राज्य में दूरस्थ अंचलों में भी चिकित्सकीय सेवाओं की बेहतर उपलब्धता लोगों को मिल सकें, इस बात को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वास्थ्य विभाग में 650 पदों का शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश के परिपालन में वित्त विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग में रिक्त विभिन्न 650 पदों पर भर्ती की अनुमति दे दी गई है। वित्त विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग को स्टॉफ नर्स, टेक्नीशियन, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, ड्रेसर, वार्ड व्वाय, वार्ड आया आदि के कुल 650 पदों पर भर्ती के लिए अनुमति प्रदान की गई है। अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मी भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर उक्त पदों की भर्ती की जाएगी।

वित्त विभाग द्वारा स्टॉफ नर्स के 225, सायकेट्रिक नर्स के 5, ओ.टी. टेक्नीशियन के 15, डेंटल टेक्नीशियन के 5, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष एवं महिला के 100-100, सहायक ग्रेड-3 एवं फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 25-25, ड्रेसर ग्रेड-1 के 50, तथा वार्ड व्वॉय एवं वार्ड आया के 50-50 इस प्रकार कुल 650 पदों पर भर्ती के अनुमति स्वास्थ्य विभाग को दी गई है।

सरकारी किताबों को कबाड़ में बेचने पर सीएम साय की बड़ी कार्रवाई

पाठ्य पुस्तक निगम का महाप्रबंधक निलंबित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने पाठ्य पुस्तक निगम के महाप्रबंधक को सस्पेंड कर दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शिकायत मिली थी कि 2024-25 की नई किताबों को कबाड़ में बेचा गया है। शिकायत के बाद सीएम साय ने जांच कराई और जांच में यह सही पाया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने इस प्रकार की लापरवाही पर सख्त एक्शन लिया है। सीएम साय ने इसके लिए जिम्मेदार राज्य प्रशासनिक सेवा के अफ्सर प्रेम प्रकाश शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई कर दिए जीरो टॉलरेंस की नीति का स्पष्ट संकेत दिया है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कलेक्टर कान्फ्रेंस में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस को लेकर सख्त निर्देश अधिकारियों को दिए थे। मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार को लेकर कड़ाई जमीनी स्तर पर भी उतनी ही सख्त नजर आ रही है। इसकी बानगी एक बार फिर सरकार की त्वरित कार्रवाई से दिखती है। बीते दिनों छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा छापी गई शैक्षणिक सत्र 2024-25 की नई किताबों को कबाड़ में बेचे जाने का मामला सामने आया था।

लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

उल्लेखनीय है कि बीते कुछ दिनों से सीएम साय का रौद्र रूप कई प्रशासनिक निर्णयों में दिख रहा है। सीएम साय शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों में बिलकुल भी लापरवाही नहीं चाहते। मुख्यमंत्री श्री साय ने शासकीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता बरतने वाले लापरवाह अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कारवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह सुशासन की सरकार है और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस है। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के द्वारा अपने शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी तथा लापरवाह अधिकारियों पर तत्काल कड़ी कारवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई कर दिए जीरो टॉलरेंस के स्पष्ट संकेत
कलेक्टर कान्फ्रेंस में कहा था भ्रष्टाचार बिल्कुल नहीं होगा बर्दाश्त

सीएम साय ने कराई जांच

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सिलयारी स्थित रियल बोर्ड पेपर मिल में छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा छापी गई वर्ष 2024-25 सत्र की नई किताबें के कबाड़ में बेचे जाने की घटना के प्रकाश में आने पर तत्काल गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्ले को इस घटना की जांच के निर्देश दिए थे। जांच के उपरांत छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के महाप्रबंधक राज्य प्रशासनिक सेवा के अफ्सर श्री प्रेम प्रकाश शर्मा की प्रथम दृष्टया लापरवाही परिलक्षित होने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

इस तरह कबाड़ में मिली थी पुस्तकें

नई किताबों को बेच दिया कबाड़ में

छत्तीसगढ़ के छात्रों को नि:शुल्क वितरण के छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम की नई किताबों को रायपुर के रीयल पेपर मिल सिलयारी के कबाड़ में फेंकी जा रही हैं। ये वही किताबें हैं, जो सरकार की ओर से छात्रों को मुफ्त वितरण के लिए खरीदी गई थीं। यह किताबें सर्व शिक्षा अभियान और छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम की ओर से प्रकाशित की गई थीं, जो छात्रों को निशुल्क दी जानी थीं, लेकिन इनके स्थान पर इन्हें कबाड़ में बेच दिया गया। इस तरह के कृत्य से राज्य सरकार को लाखों-करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है।

प्रशासनिक लापरवाही बर्दाश्त नहीं

कलेक्टर एसपी कांफ्रेंस में कड़े तेवर दिखाने के बाद मुख्यमंत्री ने निलंबन की इस कार्यवाही से यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रशासनिक लापरवाही उन्हें बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं होगी। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम का मामला सामने आने पर इस घटना की जाँच का दायित्व मुख्य सचिव के पश्चात सबसे वरिष्ठ अधिकारी को देना यह स्पष्ट करता है कि इस राज्य में अब प्रशासनिक ढिलाई के दिन बीत चुके हैं । यदि किसी ने लापरवाही या भ्रष्टाचार किया, तो उस पर कार्यवाही अवश्य होगी।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल का सहायक संपदा प्रबंधक निलंबित

एक अन्य मामले में सरकार ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल का सहायक संपदा प्रबंधक को भी निलंबित किया गया है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग के सहायक संपदा प्रबंधक मुखीराम ध्रुवे द्वारा रिश्वत लेने का मामला प्रकाश में आने पर आयुक्त छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जारी निलंबन आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र दुर्ग के सहायक संपदा प्रबंधक मुखीराम ध्रुवे द्वारा अपने कार्यालय में हितग्राहियों के प्रकरण को रोककर रिश्वत की मांग की शिकायतें मिल रही थी। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के आयुक्त द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए सहायक संपदा प्रबंधक ध्रुवे को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में ध्रुवे का मुख्यालय मुख्य संपदा अधिकारी, मुख्यालय नवा रायपुर अटल नगर नियत किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल हुआ हैक

नईदिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट के यूट्यूब चैनल पर शुक्रवार को अमेरिकी कंपनी 'रिपल लैब्स' निर्मित 'क्रिप्टोकरंसी' के प्रचार वाला एक वीडियो दिखाई देने लगा। हालांकि, वीडियो को खोलने पर उस पर कुछ दिखाई नहीं दिया। वीडियो के नीचे एक कैप्शन लिखा था, 'ब्रैड गार्लिंगहाउस: रिपल रेसपोंड्स टू द एसईसी 2 बिलियन डॉलर फाइन! एक्सआरपी प्राइज प्रेडिक्शन।'

सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल शुक्रवार को हैक हो गया। इस पर क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े विज्ञापन दिखाए जाने लगे। यह अमेरिका की कंपनी रिपल लैब्स द्वारा विकसित क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े थे। हैक किए गए चैनल पर एक ब्लैंक वीडियो प्रसारित किया गया।

क्या है मामला?

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के यूट्यूब चैनल पर शुक्रवार को अमेरिकी कंपनी 'रिपल लैब्स' निर्मित 'क्रिप्टोकरंसी' के प्रचार वाला एक वीडियो दिखाई देने लगा। हालांकि, वीडियो को खोलने पर उस पर कुछ दिखाई नहीं दिया। वीडियो के नीचे एक कैप्शन लिखा था, 'ब्रैड गार्लिंगहाउस: रिपल रेसपोंड्स टू द एसईसी 2 बिलियन डॉलर फाइन! एक्सआरपी प्राइज प्रेडिक्शन।'

सर्वोच्च न्यायालय संविधान पीठों के समक्ष सूचीबद्ध और जनहित से जुड़े मामलों की लाइव सुनवाई को स्ट्रीम करने के लिए यूट्यूब का इस्तेमाल करता है। तत्कालीन सीजेआई यूयू ललित की अध्यक्षता में पूर्ण न्यायालय की बैठक में लिए गए एक सर्वसम्मत निर्णय लिया गया था। इसके तहत शीर्ष न्यायालय ने 2018 में मामले पर एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद सभी संविधान पीठ की सुनवाई की कार्यवाही को लाइव-स्ट्रीम करने का निर्णय लिया था।

तिरुपति लड्डू प्रसादम् विवाद : डिप्टी सीएम पवन कल्याण की मांग

बोले-राष्ट्रीय स्तर पर बनाया जाए 'सनातन धर्म रक्षण बोर्ड

विशाखापत्तनम (ए.)। आंध्रप्रदेश के तिरुमला-तिरुपति देवस्थानम् की सुप्रसिद्ध लड्डू प्रसादम् विवाद के बीच डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने अहम मांग उठाई है। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और जनसेना पार्टी के मुखिया पवन कल्याण ने राष्ट्रीय स्तर पर सनातन धर्म रक्षण बोर्ड बनाने की मांग की है। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर लिखा है कि पूरे देश में धार्मिक मामलों की देखरेख के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सनातन धर्म रक्षण बोर्ड बनाना चाहिए।

बता दें तिरुमला-तिरुपति देवस्थानम् में रोजना हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। यहां बालाजी भगवान के प्रसाद के रूप में लड्डू दिया जाता है जो कि पूरे विश्वभर में प्रसिद्ध है। हाल ही में प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने पिछली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की पिछली वाईएसआरसीपी की सरकार में प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद को बनाने में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद पूरे देश में यह मुद्दा गरमा गया है और इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग उठ रही है। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर काफी कुछ लिखा जा रहा है।

डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने जताई चिंता

इस विवाद के बीच राज्य के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'तिरुपति बालाजी प्रसाद में जानवरों की चर्बी (मछली का तेल, सूअर की चर्बी और गोमांस की चर्बी) मिलाए जाने की बात से हम सभी बहुत परेशान हैं। तत्कालीन वाईएसआरसीपी की सरकार द्वारा गठित टीटीडी बोर्ड को कई सवालों के जवाब देने होंगे। हमारी सरकार हरसंभव सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन, यह मामला मंदिरों के अपमान, भूमि संबंधी मुद्दों और अन्य धार्मिक प्रथाओं से जुड़े कई मुद्दों पर प्रकाश डालता है।'

सनातन धर्म के अपमान को रोकने साथ आना चाहिए

पवन कल्याण ने लिखा कि 'अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' का गठन किया जाए। सभी नीति निर्माताओं, धार्मिक प्रमुखों, न्यायपालिका, नागरिकों, मीडिया और अपने-अपने क्षेत्रों के अन्य सभी लोगों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर एक बहस होनी चाहिए। मुझे लगता है कि हम सभी को किसी भी रूप में 'सनातन धर्म' के अपमान को रोकने के लिए एक साथ आना चाहिए।

ये है मॉरल पुलिसिंग की हद

श्रीकंचनपथ

भारत में जिसे देखो वह संस्कृति और सनातन की सुरक्षा का स्वयंभू पैरोकार बना हुआ है। कभी वैलेन्टाइन्स डे पर युवा जोड़ों की धरपकड़ हो रही है, उन्हें मारापीटा और जलील किया जा रहा है तो कोई रात-बेरात सड़कों पर घूमने वालों को चरित्रहीन ठहरा रहा है। शासन प्रशासन का रवैया इनके प्रति साधारण तौर पर उदासीन ही रहता है। कभी कोई शिकायत हुई भी तो मामूली पूछताछ और धमकी चमकी देकर थाने से ही छोड़ दिया जाता है। इसकी पराकाष्ठा ओडीशा की राजधानी भुवनेश्वर में सामने आई। एक महिला अपने पुरुष मित्र के साथ रात एक बजे घर लौट रही थी। महिला का अपना रेस्टोरेंट है जिसे कामकाज समेट कर बंद करने में वक्त लग जाता है। पुरुष मित्र एक फौजी है। रास्ते में उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया और चालू हो गई मॉरल पुलिसिंग। उन्होंने महिला पर गंदे-गंदे आरोप लगाए और दोनों को पकड़ कर थाने ले आई। फौजी को लॉकअप में डाल दिया गया। उसी फौजी को जिसकी शान में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और शहीदी पर्वों पर कशीदे काढ़े जाते हैं। बिना किसी पूछताछ के, बिना मामले को समझे ही एक सैन्य कर्मी को पुलिस लॉकअप में डाल देती है। इसके बाद जो हुआ वह तो और भी घिनौना कृत्य था। फौजी को बिना कारण लॉकअप में डाल देने का विरोध करने पर महिला के हाथ-पैर बांध दिये जाते हैं। उसे ऊपर से निर्वस्त्र कर दिया जाता है। पुरुष पुलिस कर्मी उसके नाजुक अंगों पर लात मारते हैं। सुबह थाने का प्रभारी आता है। वह उसकी पैंट भी उतार देता है और अपना अंग दिखाकर अश्लील बातें और इशारे करता है। सवाल यह नहीं है कि इन पुलिस कर्मियों का अब क्या होगा। थाना प्रभारी समेत सभी आरोपी फिलहाल निलंबित कर दिये गये हैं। हो सकता है उन्हें बर्खास्त भी कर दिया जाए और उन्हें सजा भी हो। पर क्या इतने मात्र से उस फौजी और उसकी महिला मित्र को न्याय मिल जाएगा? उसके साथ जो कुछ हुआ, क्या उसे वह जीवन भर भूल पाएगी? उस अपमान और शारीरिक उत्पीड़न का क्या, जो उन्हें पुलिस थाने में झेलनी पड़ी। उसी पुलिस थाने में, जिसपर उसकी आबरू की सुरक्षा का दायित्व था। नैतिकता के नाम पर जो जी में आए करने की छूट यही समाज ऐसे लोगों को दे रहा है। रात को अकेली लड़की दिखी नहीं कि ये उसके चरित्र का प्रमाणपत्र जारी कर देते हैं। पार्क में बैठे युवा जोड़ों के साथ बदतमीजी का तो इन्हें लाइसेंस मिला हुआ है। जो सरकार खुद सुप्रीम कोर्ट से कह रही हो कि वह प्रशासन के हाथ-पैर न बांधे वहां न्याय के बारे में अब क्या ही कहा जाए। जिस देश में प्रेम के देवता की पूजा होती हो, वहां धर्म और संस्कृति के नाम पर ऐसा पाखण्ड उसे बर्बर पाषाणयुग की ओर ले जाता है। ऐसे में चांद पर घर भी बसा लिया तो क्या फायदा।

संपादकीय

कश्मीर से पैगाम

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण का शानदार मतदान कीर्तिमान होने के साथ ही, दुनिया को एक खुशनुमा पैगाम भी है। घाटी के जो इलाके कभी आतंकियों के मजबूत ठिकाने हुआ करते थे, वहां 61 प्रतिशत से ज्यादा मतदान भारतीय लोकतंत्र की बड़ी विजय है। उन तमाम आम और खास हस्तियों को इसके लिए धन्यवाद देना चाहिए, जिन्होंने इस चुनाव और ऐसे मतदान को मुमकिन बनाया। आज से कुछ साल पहले डोडा, किश्तवाड़, अनंतनाग, कुलगाम, रामबन, शोपियां इत्यादि संवेदनशील क्षेत्रों में ऐसे चुनाव के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। केवल पुलवामा में अपेक्षाकृत कम 46 प्रतिशत मतदान हुआ है, बाकी सभी प्रभावित क्षेत्रों में 55 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किसी खुशखबरी से कम नहीं है। किश्तवाड़ तो 80.14 प्रतिशत के मतदान के साथ एक मिसाल है।

> “दस साल में पहली बार जम्मू-कश्मीर के लोगों को विधानसभा चुनाव में मतदान का मौका मिला है और लोगों ने ऐसे बढ़-चढ़कर भाग लिया है कि कश्मीर घाटी की एक अलग ही छवि उभरने लगी है। बड़ी संख्या में महिलाओं ने घर से निकलकर मतदान किया है। जाहिर है, लोग सुरक्षित और विकसित भविष्य के लिए लालायित हैं। उन्हें मशीनगन नहीं, बल्कि मतदान पर ज्यादा भरोसा है।

बीते पांच वर्ष में कश्मीर घाटी में जो स्थितियां बनी हैं, उसके लिए सरकार को अवश्य श्रेय देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को श्रीनगर की चुनावी रैली में विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जम्मू-कश्मीर के युवाओं के हाथों में पत्थर थमाते थे, उनका भविष्य बर्बाद करते थे। वाकई, आज घाटी में भी स्कूल, कॉलेज खुल रहे हैं और पढ़ाई के लिए युवाओं में लालसा बढ़ी है। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ काम कर रही ताकतों को मुंहतोड़ जवाब मिलना समय की असली मांग है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ खड़े होने का समय है और प्रधानमंत्री ने वहां के युवाओं के लिए रोजगार का इरादा, वादा जाहिर करके बिल्कुल सही संकेत दिया है। जम्मू-कश्मीर के लोगों का दिल जीतना जरूरी है और इसके लिए उनकी बेहतरी हेतु हर संभव कदम उठाने ही चाहिए। एक समय था, जब कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराने में भी दिक्कत होती थी, खुद वहां दिग्गज नेता दूसरों को चुनौती देते थे कि लाल चौक पर तिरंगा फहराकर दिखाओ, पर आज जज्बात और हालात, दोनों बदल गए हैं। जिन चीजों के बारे में सोचा जाता था कि ऐसा कश्मीर में कभी नहीं होगा, वैसा अब होने लगा है। गौर कीजिए, जिन इलाकों में अनुच्छेद-370 को हटाने का सबसे ज्यादा विरोध हुआ था, उन इलाकों ने भारी मतदान करके अपना नया इरादा जता दिया है। अब उम्मीद बढ़ गई है कि मतदान के अगले दो चरणों में और ज्यादा संख्या में लोग घरों से निकलकर मतदान करेंगे, जिसका पैगाम दुनिया में जाएगा।

पहले चरण के अच्छे मतदान के लिए सबसे ज्यादा श्रेय आम लोगों को देना चाहिए, जिन्होंने अपने मताधिकार को साकार किया है। इसके बाद सुरक्षा और रक्षा बलों की सबसे ज्यादा तारीफ होनी चाहिए। एक समय था, जब आतंकी मारे जाते थे, तो घाटी में खूब चर्चा होती थी, पर किसी सुरक्षा या रक्षाकर्मी का जब खून बहता था, तब खामोशी-सी छा जाती थी। इसके बावजूद पुलिस के जवानों और फौजियों ने आतंकवाद का पुरजोर मुकाबला किया, जिसके सुखद नतीजे आज मतदान के रूप में दुनिया देख रही है। कश्मीर को अलगाववाद और हिंसा की अंधी गलियों से हमेशा के लिए बाहर निकल आना चाहिए।

नजरिया

किसी नेता-नेतृत्व के बिना भी होने लगे कामयाब आंदोलन

बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में अशांत अगस्त के बाद एक अनिश्चित सितंबर भी बीत रहा है। दुनिया ने देखा, बांग्लादेश में जून में शुरू हुआ एक छोटा छात्र आंदोलन जन विद्रोह में बदल गया, जिसने उस देश के प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने और दिल्ली भागने के लिए मजबूर कर दिया।

संजय चक्रवर्ती,
प्रोफेसर, टेम्पल यूनिवर्सिटी

इधर, पश्चिम बंगाल में आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार व हत्या ने कोलकाता और अन्य जगहों पर हजारों लोगों को सड़कों पर उतार दिया। लोगों ने रोज जुलूस निकाला और रात्रि जागरण किया। इसमें सभी वर्ग के लोग शामिल हुए, पर ये लोग किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़े थे। वैसे, कोलकाता की कहानी का भविष्य पूर्वनिर्धारित लगता है : इसमें समायोजन और संशोधन होंगे, पर कोई बुनियादी बदलाव नहीं आएगा।

वास्तव में, ये घटनाएं नेतृत्वहीन जन आंदोलनों के युग की नवीनतम उदाहरण हैं। अतीत में हमने अनेक ऐसी लामबंदियों को देखा है, जहां राजनीतिक दलों या संगठनों या नेताओं ने नेतृत्व किया है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में नमक सत्याग्रह और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संपूर्ण क्रांति को ऐसे राजनीतिक आंदोलन के रूप में याद किया जा सकता है।

हालांकि, ऐसे आंदोलन बढ़ रहे हैं, जो स्वत: स्फूर्त होते हैं। किसी एक घटना से ऐसे आंदोलनों की शुरुआत होती है, जिनमें कोई एक नेता या नेतृत्व नहीं होता है। वास्तव में, यह एक संचित क्रोध होता है, जो ऐसे आंदोलनों में फूटता है, जिसे किसी एक तय नेतृत्व की जरूरत नहीं होती है। ऐसे आंदोलन किसी संगठन, राजनीतिक दल के बूते नहीं होते हैं, बल्कि सोशल मीडिया के माध्यम से होते हैं। ऐसे आंदोलनों में आम तौर कोई भी आंदोलनकारी यह बताने में सक्षम होता है कि उसका मकसद क्या है?

विरोध के इस नए स्वरूप की कुंजी दरअसल नई संचार तकनीक है। मोबाइल फोन ही बिखरे हुए जनसमूह को संगठित करने का सही साधन बन गया है। मोबाइल या सोशल मीडिया के जरिये लोगों को कम समय में कहीं भी जुटाया जा सकता है। यहां अचानक से उमड़ने वाली भीड़ को 'फ्लैश मॉब' कहा जाता है। अचानक उमड़ी भीड़ रेलवे स्टेशन पर नृत्य करने लगती है या पुलिस स्टेशन पर आगजनी करती है या कहीं सड़कों पर उमड़ आती है। अब लोगों के बीच संचार क्षमता इतनी शक्तिशाली है कि इसे यूरोप में धर्म, भाषा और राष्ट्र का पुनर्निर्माण करने वाले माध्यमों में प्रिंटिंग प्रेस के बाद दूसरा सबसे क्रांतिकारी माध्यम माना जाने लगा है।

दुनिया में नेतृत्वहीन जन आंदोलनों के कई उदाहरण हैं : साल 2011 का 'अरबी प्ररंग' आंदोलन ऐसा ही था। जो ट्यूनीशिया में शुरू हुआ और मिस्र, लीबिया, सीरिया, यमन व अन्य देशों में भी फैल गया, जिसके चलते अनेक शासकों को हटना पड़ा। ऐसे आंदोलन, बोलीविया, हांगकांग और म्यांमार में भी हुए हैं। कुछ जगहों पर लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों को कुचला गया है, पर कई जगह कामयाबी मिली है।

सवाल यह है कि नेतृत्वहीन आंदोलनों से हम क्या सबक ले सकते हैं? कुछ आंदोलन कामयाब क्यों होते हैं और कुछ नाकाम क्यों हो जाते हैं? भारत में ऐसे आंदोलनों की क्या संभावना है?

अनेक देशों में ऐसे आंदोलनों के साथ सेना या पुलिस भी खड़ी हो जाती है। भारत में ऐसी स्थिति की कल्पना असंभव है, जिसमें सेना किसी प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दे। यहां लोगों द्वारा किए जाने वाले छोटे आंदोलन तो हो सकते हैं, पर राष्ट्रीय स्तर पर बिना नेतृत्व के जन आंदोलन खड़ा करना नामुमकिन है।

भारतीय समाज में धर्मों, भाषाओं, जातियों, जनजातियों और वर्गों के आधार पर अपने-अपने हित हैं। यहां तक कि हिंदू पहचान भी अखंड नहीं है। फिर भी शासकों को लोगों के असंतोष या रोष की पूरी चिंता करनी चाहिए। लोगों की किसी असहमति की समय रहते चिंता करना वास्तव में शासकों को जवाबदेह बनाता है। वैसे, ध्यान रहे, असहमति कोई विचारधारा नहीं है। नागरिकता संशोधन अधिनियम विरोधी आंदोलन से लेकर पश्चिम बंगाल में चल रहे संघर्ष तक, बढ़ती असहमति शासक वर्गों के लिए एक चेतावनी है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आधुनिकता के विरोध में एक गणना

विभूति नारायण राय,
पूर्व आईपीएस अधिकारी

जातियां भारतीय समाज का एक ऐसा यथार्थ हैं, जिनकी उपस्थिति को नकारकर हम उसकी जटिल संरचना को नहीं समझ पाएंगे। यह अकादमिक अध्ययन का विषय हो सकता है कि ऋग्वेद के पुरुष सूक्त में वर्णित वर्ण व्यवस्था कब आधुनिक जातियों में तब्दील हो गई। यह विभाजन जन्म पर आधारित था या कर्म पर, इस पर मतभेद हो सकता है, लेकिन इस पर किसी मतभेद की गुंजाइश नहीं है कि हमारे ज्ञात इतिहास में कोई कालखंड ऐसा नहीं है, जब भारतीय समाज में इस संस्था की उपस्थिति न मिलती हो।

जाति-व्यवस्था एक क्रूर और अमानवीय व्यवस्था थी, जिसके चलते समाज का विशाल बहुसंख्यक वर्ग बदतर जीवन बिताने के लिए अभिशप्त था। यह हमें आधुनिक और सभ्य बनने से रोकती है। इस संस्था को जड़ से उखाड़े बिना हमारी मुक्ति संभव नहीं है , इसका एहसास अलग-अलग कालखंडों में समाज सुधारकों और सांस्कृतिक आंदोलनों को होता रहा है और उन्होंने इसे हिलाने-डुलाने की कोशिशें भी खूब कीं, लेकिन हर बार यह डाल से उतारे जाने वाले बेताल की तरह वापस विक्रमादित्य के कंधों पर सवार हो जाती है।

गौतम बुद्ध और भक्ति आंदोलन से होता हुआ जातियों से मुक्ति के प्रयास को डॉक्टर आंबेडकर और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया जैसे आधुनिक विचारकों ने गति दी है। आंबेडकर के जीवन का पहला सबसे बड़ा काम जातियों का समूलोच्छेदन या एनिहिलेसन ऑफ कास्ट नामक वह लेख था, जिसे उन्हें 1936 में लाहौर के जात-पात तोड़क मंडल नामक संस्था के सम्मेलन में पढ़ना था, पर वर्ण-व्यवस्था के समर्थकों के दबाव में आयोजकों को न सिर्फ आंबेडकर को दिया निमंत्रण वापस लेना पड़ा, वरन वह पूरा सम्मेलन ही खारिज कर दिया गया। इस अनुभव ने एक बड़े अर्थशास्त्री बन सकने की संभावना वाले आंबेडकर को महत्वपूर्ण समाजशास्त्री बना दिया। वह हिंदू समाज की इस ठस्स संस्था से इस कदर निराश हो गए कि उन्होंने बाद में कहीं लिखा कि बिना जातियों के हिंदू धर्म की कल्पना नहीं की जा सकती और निराश होकर उन्होंने अपने हजारों अनुयायियों के साथ धर्म परिवर्तन ही कर डाला। हमारे समय के दूसरे बड़े चिंतक राम मनोहर लोहिया ने भी जातियों को लेकर अलग तरह से सोचने की शुरुआत की। उनकी पुस्तक द कास्ट सिस्टम में उन्होंने विस्तार से वर्ग और वर्ण के बीच के फर्क और उनके अंतर्संबंधों को समझने की कोशिश की है। लोहिया के अनुसार, वर्ण एक ठस्स और अपरिवर्तनीय संस्था है, जबकि वर्ग की सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे चढ़ा-उतरा जा सकता है। वह भी मानते थे कि हमारी मुक्ति के लिए बेहद जरूरी है कि जातियों की अमानवीय हदों को तोड़ा जाए। इसके लिए उन्होंने जाति तोड़ो कार्यक्रमों की परंपरा डाली थी। लोहिया का नारा- पिछड़ा पाए सौ में साठ , एक समय में राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच बहुत लोकप्रिय हुआ था। यह अलग बात है कि वह पिछड़ों में हर जाति की औरतों को सम्मिलित करते थे।

मैंने उपरोक्त दो राजनीतिज्ञों, जिन्हें मेरी राय में राजनीतिक कार्यकर्ताओं की अपेक्षा समाज सुधारक मानना ज्यादा मुनासिब होगा, का जान-बूझकर उल्लेख किया है, क्योंकि आज उनका उपयोग जातियों को तोड़ने में नहीं, बल्कि उनको और मजबूत करने में किया जा रहा है। आंबेडकर की परंपरा का दावा करने वालों में सबसे प्रभावशाली आंदोलन कांशीराम और मायावती की जोड़ी ने चलाया था और उनकी बहुजन संज्ञा में सारी दलित व पिछड़ी जातियां सम्मिलित थीं। यदि 1970, 80 व 90 के दशकों में सक्रिय उनके संगठन बामसेफऔर उससे उपजी बहुजन समाज पार्टी के सदस्यों व नेतृत्व की सामाजिक संरचना का अध्ययन किया जाए, तो हम पाएंगे, उनमें सभी पिछड़ी जातियों, यथा यादव, कुर्मी, गड़ेरिया, राजभर इत्यादि और सभी दलित जातियों, यथा चमार, पासी, खटिक, धोबी इत्यादि शरीक थे। उम्मीद यह थी कि उनके आंदोलन के चलते जातियां कमजोर होते-होते खत्म हो जाएंगी, लेकिन हुआ उलटा। उनकी अस्मिता की राजनीति ने जातियों को मजबूत करने का काम किया। पहली बार अलग-अलग जातियों के सम्मेलन होने शुरू हुए। इसके पहले कभी इतने धड़ल्ले से जातियों के सम्मेलन नहीं होते थे। आजादी के बाद आधुनिक समाज के पक्ष में शिक्षा के प्रसार के चलते अंदर से जातिवादी भी सार्वजनिक रूप से किसी जाति सम्मेलन में जाने से शरमाते थे ।

सन् 1967 के आम चुनावों तक लोहिया का गैर-कांग्रेसवाद और पिछड़ों को संगठित करने का प्रयास रंग लाने लगा था और पूरे उत्तर भारत से कांग्रेस को सत्ता से हटाकर लोहिया के चेलों ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। आज के मुकाबले फर्क यह था कि उस समय के पिछड़े वर्गों से आने वाले नेता अपनी जातियों का ही नहीं, पूरे पिछड़े समाज का नेतृत्व करते थे। यह अस्मिता की राजनीति की तार्किक परिणति ही कही जाएगी कि जिस तरह कालांतर में कांशीराम व मायावती का प्रभाव सिर्फ जाटव तक सीमित रह गया, उसी तरह चौधरी चरण सिंह, मुलायम सिंह यादव, लालू यादव, नीतीश कुमार या रामविलास पासवान जैसे नेता भी कमोबेश अपनी जातियों के ही नेता बनकर रह गए।

पिछले एक दशक से जाति जनगणना के पक्ष में आंदोलन चल रहा है। अब वक्त एक ऐसे विमर्श का आ गया है, जब हमें तय करना होगा कि भारत को एक आधुनिक, सभ्य और प्रगतिशील समाज बनाना है या नारकीय जकड़बंदी में फंसाकर रखना है? एक मजेदार तर्क जातिगत गणना के पक्ष में यह दिया जा रहा है कि जातियों को नष्ट करने के लिए जरूरी है, पहले जातियों की पहचान को मजबूत किया जाए। यह तो लगभग वैसा ही तर्क है कि भ्रष्टाचार मिटाने के लिए लोगों को पहले अधिक भ्रष्ट बनाना पड़ेगा।

जातिगत गणना स्त्री विरोधी भी है। इस आंदोलन से जुड़े ज्यादातर नेताओं के बच्चे उच्च शिक्षा हासिल कर आधुनिक बन रहे हैं और उनमें से बड़ी संख्या दूसरी जातियों में विवाह कर रही है। लंबे संघर्ष के बाद महिलाओं ने यह अधिकार हासिल किया है कि उनके बच्चे के साथ उनका नाम भी लिखा जाए। एक मामले में तो एक महिला ने बिना पिता का नाम लिखवाए अपने बच्चे का पासपोर्ट बनवाने में ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। क्या जाति गणना में बच्चे पिता की जाति लिखवाएंगे या उन्हें आजादी होगी कि वे अपनी मां की जाति चुन सकें? अभी पितृसत्ता के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई चल रही है और जातिगत गणना उसे कमजोर ही करेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मजबूत हो रहे सड़क, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य के चार पिलर

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ के विकास की रफ़्तार नये कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है जो राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की पहचान एक अलग मुकाम तक पहुंचा रही है। छत्तीसगढ़ के सड़क, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य के लिए केंद्र से छत्तीसगढ़ को 1171 करोड़ रूपए मिले हैं। छत्तीसगढ़ केंद्र सरकार की पूंजीगत व्यय यानी कैपेक्स के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत टॉप-5 पर पहुँच गया हैद्य छत्तीसगढ़ असम, गुजरात, हिमाचल, त्रिपुरा, गोवा और सिक्किम जैसे राज्यों की तुलना में आगे है। ईज ऑफ़ लिविंग की अवधारणा को मजबूत करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक हर वर्ग के लोगों की समस्याओं को समझकर उनके हित में कार्य और त्वरित निर्णय से जनता और सरकार के बीच का रिश्ता मजबूत हुआ है। यही कारण है कि केंद्र सरकार के कैपेक्स में पूरे देश में छत्तीसगढ़ टॉप-5 में है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने एक नया विभाग भी बनाया है। सुशासन एवं अभिसरण (गुड गवर्नेंस एवं कन्वर्जेंस) विभाग अन्य शासकीय विभागों में जनता को आने वाली समस्याओं को समझकर उनके समाधान पर कार्य करेगी। हितग्राहियों को सरकार की योजनाओं का सौ फीसदी लाभ सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर स्तर पर परफॉरमेंस रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। शासकीय विभागों और जनसरोकार से जुड़े कार्यों के डिजिटलाइजेशन से न केवल कार्यों में पारदर्शिता आ रही है बल्कि विभागों का परफोर्मेंस भी बेहतर हो रहा है। सरकार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। शासकीय विभागों को समय के अनुरूप अपडेट करने के लिए भी छत्तीसगढ़ सरकार अहम् कदम उठा रही है, जिसमें लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत जनता से जुड़ी 90 सुविधाओं का डिजिटलीकरण, शासकीय खरीदी में पारदर्शिता लाने के लिए जैम पोर्टल की शुरुआत। सभी शासकीय विभाग के लिए अलग-अलग पोर्टल का निर्माण और ई-ऑफिस की दिशा में बढ़ने की पहल, शासकीय विभागों से सम्बंधित विभिन्न व्यापारिक और औद्योगिक इकाईयों के एनओसी की प्रक्रिया के सरलीकरण जैसे निर्णय ईज ऑफ़ लिविंग की अवधारणा को मजबूती देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय की दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के स्वरुप पर आधारित केंद्र सरकार की नीतियों से आमजनों के जीवन को बेहतर बनाने के मिशन पर भी तेजी से कार्य हो रहा है।

प्रदेश के युवाओ को उद्यम से जोड़ने की बात हो या किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित करने की छत्तीसगढ़ सरकार दोनों स्तर पर परिवर्तनकारी कदम उठा रही है जिसका परिणाम दिखने लगा है। यही कारण है कि खर्च और निवेश की सम्भावनाओं वाले देश के 788 जिलों में छत्तीसगढ़ का डीपीआई स्कोर 37.0 है जो दिल्ली 68.2, पश्चिम बंगाल 42.9, उत्तराखंड 41.0 के मुकाबले बेहतर है। दूसरे राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं, इन कार्यों को आमजनों की जरूरतों के अनुकूल किया जा रहा है।

(ये लेखक के विचार है)

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कीर्तिमान रचता मध्यप्रदेश

वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों के अनुकूल पर्यावरण संरक्षित प्रदेश बनने में मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान रचने जा रहा है।

वर्ष 2012 में प्रदेश की लगभग 500 मेगावॉट नवकरणीय ऊर्जा की क्षमता थी। वर्तमान में कुल क्षमता बढ़कर 7 हजार मेगावॉट हो गयी है, जो कि विगत 12 वर्षों में लगभग 14 गुना बढ़ी है। राज्य की कुल ऊर्जा क्षमता में नवकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़कर 21 प्रतिशत हो गयी है। राज्य सरकार की नवकरणीय ऊर्जा की उत्पादन क्षमता को वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 20 हजार मेगावॉट करने की योजना है। आज प्रदेश में मौजूद रीवा और ओंकारेश्वर जैसी विश्व-स्तरीय सौर परियोजनाएँ देश में राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प और इच्छा-शक्ति का गौरव-गान कर रही हैं।

मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार करने में अग्रणी रहा है। रीवा सोलर प्रोजेक्ट 1590 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित है। यह विश्व के सबसे बड़े सिंगल साइड सौर संयंत्रों में से एक है। इस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन को एक आदर्श के रूप में पहचान मिली है। परियोजना से उत्पादित ऊर्जा का 76 प्रतिशत अंश पावर मैनेजमेंट कम्पनी उपयोग कर रही है। पहली बार ओपन एक्सेस से राज्य के बाहर दिल्ली मेट्रो जैसे व्यावसायिक संस्थान को उत्पादित बिजली का शेष 24 प्रतिशत अंश भी प्रदान किया जा रहा है। इससे प्रतिवर्ष 15.7 लाख टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन को रोका जा रहा है, जो 2 करोड़ 60 लाख पेड़ लगाने के बराबर है। प्रोजेक्ट को गवर्मेंट ऑफ इण्डिया की नवाचार की पुस्तक- नई शुरुआत वर्ष 2017 में शामिल किया गया। रीवा सोलर प्रोजेक्ट को हार्वर्ड विश्वविद्यालय और सिंगापुर मैनेजमेंट विश्वविद्यालय में केस स्टडी के रूप में शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, इस प्रोजेक्ट को वर्ल्ड बैंक प्रेसीडेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। इसे नवाचार के लिये प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिये भी चयनित किया गया है। यह प्रोजेक्ट

पारम्परिक कोयला आधारित बिजली से कम दरों पर सौर ऊर्जा प्राप्त करने वाली भारत की पहली परियोजना है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए मध्यप्रदेश में वर्तमान में आगर-शाजापुर-नीमच में 1500 मेगावॉट क्षमता का सोलर पार्क निर्माणाधीन है। इसमें आगर जिले की 550 मेगावॉट की क्षमता स्थापित की जा चुकी है। शाजापुर एवं नीमच जिले की 780 मेगावॉट क्षमता अक्टूबर 2024 तक पूर्ण कर ली जायेगी। इसके अतिरिक्त मंदसौर में 250 मेगावॉट का सोलर पार्क तैयार किया गया है। इससे उत्पादित ऊर्जा मध्यप्रदेश की वितरण कम्पनियों द्वारा क्रय की जा रही है।

प्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा के तट पर बसे ओंकारेश्वर में विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट (पानी पर तैरने वाली सौर परियोजना) विकसित किया जा रहा है। इसकी क्षमता 600 मेगावॉट है। इससे बहुमूल्य भूमि की बचत होगी। पैनल से पानी की सतह को ढंकने से वाष्पीकरण द्वारा होने वाले जल की हानि को कम किया जा सकेगा। परियोजना की स्थापना से कोई विस्थापित नहीं होगा। पैनल्स की सफाई के लिये भूमिगत जल की आवश्यकता भी नहीं रहेगी। ओंकारेश्वर प्रोजेक्ट की प्रथम चरण में 200 मेगावॉट क्षमता स्थापित हो चुकी है। कुल 3900 करोड रुपए की लागत से संपूर्ण 600 मेगावॉट की क्षमता स्थापित होने पर यह 12 लाख टन कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी और वर्ष 2070 तक भारत सरकार के शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन मिशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी। उक्त परियोजना जल वाष्पीकरण को कम करके जल संरक्षण में भी सहायक होगी।

प्रदेश को नवकरणीय ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के अतिरिक्त देश के उन राज्यों, व्यवसायिक संस्थानों को भी नवकरणीय ऊर्जा आपूर्ति हेतु प्रयासरत हैं, जहाँ इसकी उपलब्धता कम है अथवा आवश्यकता है। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे इन सभी प्रयासों के माध्यम से प्रदेश को हार्ट ऑफ इंडिया के साथ साथ लंग्स आफ इंडिया तैयार करने का विजन रखा गया है। प्रदेश सरकार की नई नवकरणीय ऊर्जा नीति-2022 का लक्ष्य नवकरणीय ऊर्जा परियोजना विकास के लिए प्रदेश में समग्र वातावरण का विकास करना है।

प्रदेश में किसानों को भी ऊर्जा उत्पादक बनने का अवसर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री कुसुम-अ एवं कुसुम-स के माध्यम से हम अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने का कार्य भी पूर्ण तत्परता से कर रहे हैं। प्रदेश में पीएम सूर्य घर योजना में सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप की स्थापना का कार्य वर्ष 2025 के अंत तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। मुरैना सोलर पार्क अंतर्गत ऊर्जा 440 मेगावॉट म 4 ह्म् ऊर्जा भण्डारण परियोजना के अतिरिक्त 2000 मेगावॉट म 6 ॥ह्म् पंप हाइड्रो ऊर्जा भण्डारण परियोजना निर्माण हेतु निविदा पर कार्यवाही की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। मध्यप्रदेश को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के साथ ही पूरे विश्व में एक रोल मॉडल बनाना है।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

निगम भिलाई में अधिकारी व कर्मचारियों का पदभार बदला

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई भिलाई के आयुक्त ने आदेश जारी कर कई अधिकारी/कर्मचारियो के विभागो में बदलाव किया है। निगम भिलाई में जो कर्मचारी 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके है। उनका प्रतिमाह सेवानिवृत्त होता जा रहा है। जिससे कार्यालयीन व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन के लिए विभागो में बदलाव किया गया है। जारी आदेश में सहायक अभियंता अनिल सिंह को वर्तमान कार्यो के साथ-साथ राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन के नोडल अधिकारी एवं कार्यालय सहायक अधीक्षक अजय शुक्ला को पूर्व अन्य कार्यो के साथ-साथ सहायक परियोजना अधिकारी राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन का कार्य सौंपा गया है। इसी तारतम्य में अन्य कर्मचारियो के विभागो में बदलाव किया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से सहायक ग्रेड-02 श्री डी. रवि को राजस्व विभाग से राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन, सहायक ग्रेड-02 विकास बेलकर को जोन क्रं. 04 से योजना शाखा, राजस्व उपनिरीक्षक राजेश पालवे को जनस्वास्थ विभाग से प्रभारी सहायक अधीक्षक जनस्वास्थ्य विभाग, डाटा एन्ट्री आपरेटर ओमकार यादव को राजस्व विभाग से विधि विभाग लिपिकीय कार्य, भृत्य मुनिया बाई को राजस्व विभाग से जनसम्पर्क विभाग में पदस्थ किया गया है।

विधिक माप विज्ञान विभाग का वार्षिक सत्यापन शिविर हुआ प्रारंभ

भिलाई। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नापतोल विभाग का सत्यापन शिविर पावर हाउस भिलाई में कल से प्रारंभ हो रहा है।इस शिविर में इलेक्ट्रॉनिक तौल अवाम अन्य मापतौल उपकरणों की जांच कर सत्यापन का कार्य किया जाएगा।विधिक माप विज्ञान अधिकारी ने बताया कि इस छेत्र के लगभग 1500 ब्यापारियों को विभाग से नोटिस जारी किया गया है। उक्त शिविर का आयोजन दिनांक 16 से 20 सितंबर तक है। विधिक मापतौल अधिकारी के पी चौरे ने बताया कि शिविर पश्चात ब्यापारिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच भी किया जाएगा । नापतौल उपकरणों का जांच एवम सत्यापन न कराने वाले ब्यापारियों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी।

सेल-बीएसपी द्वारा सिविक सेंटर में स्वच्छता जागरूकता शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन

भिलाई। 'स्वच्छता ही सेवा-2024' अभियान के तहत सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग (टीएसडी) द्वारा 20 सितंबर 2024 को संध्याकाल 7 से 8:30 बजे तक सिविक सेंटर में नेहरू आर्ट गैलरी के समीप सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर स्वच्छता जागरूकता शॉर्ट फिल्म की मेगा स्क्रीनिंग के लिए इस्पात नगरी भिलाई और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को भिलाई इस्पात संयंत्र सादर आमंत्रित करता है। यह पहल स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित है तथा इस वर्ष के अभियान की थीम 'स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता' पर आधारित है, जो कि दैनिक जीवन के समस्त पहलुओं में स्वच्छता प्रथाओं को बनाए रखने हेतु व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देती है। 02 अक्टूबर 2024 तक चल रहे 18 दिवसीय स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के तहत हर दिन स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

भिलाई चेम्बर ने रोजगार मेला व लोन मेले के माध्यम से व्यापारियों की भूमिका का महत्व मजबूत किया

रोजगार व लोन मेला विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थरः सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छ ग चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई द्वारा युवा संकल्प दिवस का आयोजन किया। इस युवा संकल्प दिवस पर एक संकल्प लिया गया कि विकसित भारत बनाने में व्यापारियों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रीय बैंक द्वारा लोन मेले में व्यापारियों को अपना व्यापार बढ़ाने व नए स्टार्टअप के लिए स्वरोजगार हेतु लोन सेंशन भी किया गया।इस लोन मेले में 2 व्यापारियों का लोन सेंशन बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा किया गया। सेंशन लेटर मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल करकमलों से प्रदान किया गया।

रोजगार मेले के मध्याम से सैकड़ो बेरोजगार युवाओं के रिज्यूम पंजीयन किये गए। इन रिज्यूम पर योग्य रोजगर प्रदान करने का प्रयास भिलाई चेम्बर द्वारा किया जयेगा। मुख्य अतिथि विजय बघेल ने कार्यक्रम में फरमाया की भिलाई चेम्बर का रोजगार मेला व लोन मेला यह प्रयास विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। महामंत्री अजय भसीन के जन्मदिवस की बधाई देते हुए कहा कि अजय भसीन भिलाई के एक दूरदर्शी उद्यमी और छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महासचिव, अपनी अटूट प्रतिबद्धता और जुनून से छत्तीसगढ़ के व्यवसायिक समुदाय को प्रेरित करते रहते हैं। राज्य भर के उद्यमियों द्वारा प्रिय, उनके नेतृत्व ने इस क्षेत्र में एक अमिट छाप छोड़ी है।

इस कार्यक्रम में शहर के सफल व्यापारियों व उद्यमीयो द्वारा प्रेरक उद्बोधन दिया। प्रेरक उद्बोधन में अमर पारवानी, सुनील मध्यानी,असीम सहगल,गौतम पारख, कैलाश बत्रा, प्रकाश महोबिया सभी सफल व्यापारियों का सम्मान किया गया। सभी वक्ताओं अपने विचारों में बताया उसका सार यही था कि निरन्तर प्रयास,मेहनत,व्यापार में सिस्टम ,ईमानदारी व कर्मठता ही सफलता का राज है। सफलता का कोई शार्टकट नही है। चैंबर में अपने कार्यकाल के दौरान, अजय भसीन ने छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के लिए सबसे अधिक सदस्य पंजीकरण का रिकॉर्ड बनाकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया। यह उपलब्धि क्षेत्र में व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। युवा संकल्प दिवस का आयोजन अग्रसेन भवन, सेक्टर 6, भिलाई में किया। इस कार्यक्रम में रोजगार मेला, लोन मेला के साथ साथ स्टाफ ट्रेनिग व कर्मकार सम्मान समारोह में 51 कर्मकारो को सम्मानित किया गया।

उद्योग विकास की ओर कार्यक्रम जिसमे जानकारी दी गई कि समस्या,सावधानी व समाधान पर विशेष जानकारी दी गई। चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी ने व्यापारियों को संदेश दिया कि समय के साथ व्यापारियों को नई तकनीक को ग्रहण करना पड़ेगा तभी विकसित भारत बनाने में हमारी भूमिका सार्थक होगी।

यह आयोजन बड़ी सफलता के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभी सदस्य और पदाधिकारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। विशेष रूप से विक्रम सिंह देव कार्यकारी अध्यक्ष, जितेंद्र गुप्ता, बंसी अग्रवाल जी,करमजीत सिंह बेदी, महेश बंसल और अन्य सम्मानित पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने इस दिन को और भी यादगार बना दिया।

स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के तहत बीएसपी में कई आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत,स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान का आयोजन 14 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज 19 सितम्बर 2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र और इस्पात नगरी भिलाई में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता का संदेष दिया गया तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया।

अभियान के तहत संयंत्र के टी एंड डी विभाग में स्वच्छता के लिए लोगों को शपथ दिलाई गई और टी एंड डी कार्यालय परिसर की विषेष रूप से सफाई की गई। इसके साथ ही संयंत्र के मर्चेंट एवं वायर रॉड मिल में मुख्य महाप्रबंधक श्री एम के गोयल ने सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

राजभाषा विभाग द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के तहत 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन रूप से किया गया, जिसमें 56 कर्मचारियों ने भाग लेकर अपनी प्रविष्टियां भेजी। इसके साथ ही नगर सेवाएं विभाग द्वारा वैल्डेक्स ग्राउंड, सिविक सेंटर की विषेष रूप से सफाई की गयी।

हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ राष्ट्र के लिए, राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक गतिशीलता और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बीएसपी के संयंत्र परिसर, टाउनशिप एवं बीएसपी के अन्य विभागों में विभिन्न गतिविधियों और स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

कला मंदिर में अखिल भारतीय हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा महात्मा गाँधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में दिनांक 23 सितम्बर 2024 (सोमवार) को अखिल भारतीय हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन का आयोजन संध्या 7.30 बजे से किया जाएगा। आयोजन में राष्ट्रीय स्तर की काव्य प्रतिभाएँ हास्य -व्यंग्य व संवेदी कविताओं की छठा बिखेरकर इस्पात बिरादरी व नागरिकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

इस गरिमामयी आयोजन में नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हास्य एवं व्यंग्य कवि अरुण जैमिनी व चिराग जैन तथा भिलाई नगर के गीतकार किशोर तिवारी अपनी मनोरंजक काव्य प्रस्तुति देंगे। आयोजन में हास्य के नए रंग बिखेरते हुए समाज के वैचारिक बिन्दुओं तथा वर्तमान तथ्यों पर आधारित काव्य भी प्रस्तुत किये जायेंगे। इस काव्य संध्या में अपनी अद्भुत हास्य-व्यंग्य शैली से अरुण जैमिनी व्यंग्य विधा को नया आयाम प्रदान करेंगे। वे घटनाओं के सूक्ष्म आंकलन, शब्दों का चयन व तथ्यों की मार्मिकता को अपने विशेष अंदाज में प्रस्तुत करेंगे। वहीं चिराग जैन प्रेम, भातृत्व व मानवीय संबंधों पर अपनी पैनी शैली का परिचय देते हुए अपनी कविताओं से वातावरण को सरस बनायेंगे। साथ ही भिलाई शहर के गीतकार किशोर तिवारी गीतों का अभिनव जगत प्रस्तुत करेंगे।

विधायक देवेंद्र की रिहाई के लिए एनएसयूआई ने मंदिर में किया यज्ञ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ एनएसयूआई द्वारा बलौदाबाजार हिंसा मामले में गिरफ्तार भिलाई विधायक देवेंद्र यादव व सतनामी समाज के निर्दोष युवा साथियों के रिहाई के लिए सेक्टर 9 स्थित भिलाई के सुप्रसिद्ध हनुमान मंदिर में सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया।

जिसके माध्यम से ईश्वर से छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार व छत्तीसगढ़ पुलिस को सद्बुद्धि देने के लिए प्रार्थना की गई। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव आकाश कनोजिया ने बताया कि राज्य की पुलिस व सरकार भिलाई

विधायक देवेंद्र यादव पर व सतनामी समाज के निर्दोष के ऊपर बेतुकी करवाई कर रही है।

इस कार्यकम में वरिष्ठ समाजसेवी सौरभ मिश्रा,राम यादव,एनएसयूआई जिला अध्यक्ष गुरलिन सिंह,दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र बाघमारे, दुर्ग शहर अध्यक्ष विनीश साहू, जिला उपाध्यक्ष राहुल सिंह, केतन तिवारी, निक्कू चौबे,अभिषेक सिंह, अमन कुमार,दीपक पाल,कैलाश ठाकुर,युवराज चौरसिया, अविनाश पाल,अभिषेक मिश्रा,न्यूक सिंह,मेहुल यादव ,निखिल ,फीयांशु साहू , आनंद यदु,साहिल, अमन, गुलशन एवम कई एनएसयूआई के महिला विंग की साथी उपस्थित थे।।

तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंटः बीएसपी रेड से हारी बीएसएफ की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीमांत मुख्यालय (विशेष-संक्रिया) सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ इस वर्ष अपना 15वां स्थापना दिवस मना रहा है। सीमांत मुख्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आईजी आनंद प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में गुरुवार को तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का उद्घाटन मैत्री पार्क फुटबॉल मैदान, मरोदा सेक्टर में रमेश कुमार, उप महानिरीक्षक के द्वारा किया गया। उद्घाटन मैच बीएसपी रेड और बीएसएफ की टीम के मध्य खेला गया। बीएसपी रेड की टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच को 4-0 से जीत लिया। एक अन्य मैच में बीएसपी ग्रीन ने मॉर्निंग राइडर रिसाली को 2-0 से हराया। फुटबाल मैच के दौरान सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, अन्य कार्मिक सहित ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के कार्यकारी समिति सदस्य श्री मोहन लाल, नगर पालिक निगम रिसाली के सभापति केशव बंछोर, पार्षद समीर साहू और फुटबॉल खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

जिले में शासन की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले में शासन की महत्वाकांक्षी योजनांतर्गत संचालित कार्यों का सफल व सुचारू क्रियान्वयन/अनुश्रवण/पर्यवेक्षण हेतु समस्त ग्राम पंचायतों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड दुर्ग अंतर्गत 74 ग्राम पंचायतों, विकासखण्ड धमधा अंतर्गत 117 ग्राम पंचायतों एवं विकासखण्ड पाटन अंतर्गत 106 ग्राम पंचायतों हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है। उक्त अधिकारियों को अपने-अपने ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है।

कर्तव्यों का पालन करते हुए अधिकृत पंचायत का समय सीमा में निरीक्षण अनिवार्य रूप से करने कहा गया है। निरीक्षण के दौरान निर्धारित प्रपत्र अनुसार समस्त कार्यों का अवलोकन किया जाना आवश्यक है। निरीक्षण प्रतिवेदन माह की 10 एवं 25 तारीख तक अनिवार्य रूप से भरा जाना आवश्यक है।

एम्स-रायपुर के कार्यपालक निदेशक और सीईओ डॉ अशोक जिंदल ने बीएसपी के राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र एवं संयंत्र का किया दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स-रायपुर) के कार्यपालक निदेशक और सीईओ, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल ने, 18 सितंबर 2024 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र (एनओएचएस) और संयंत्र का दौरा किया। बीएसपी का राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र (एनओएचएस) सेल का एक नोडल व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र है।

उन्होंने राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र की विभिन्न गतिविधियों और कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डॉ जिंदल ने इस्पात निर्माण की प्रक्रिया का अवलोकन करने के लिए संयंत्र के अंदर विभिन्न स्थानों का दौरा किया और विभिन्न उत्पादन प्रणाली से अवगत हुए। भ्रमण के दौरान सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डॉ अशोक जिंदल, सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता से भी मुलाकात कर चर्चा की। इस दौरान सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल (एम्स, रायपुर) डॉ लक्ष्मीकांत चैधरी भी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डॉ अशोक जिंदल के साथ थे। उल्लेखनीय है कि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल, जिन्होंने लगभग चार दशकों तक भारतीय सेना की सेवा की, देश के सबसे सम्मानित सैन्य डॉक्टरों में से एक हैं। सशस्त्र बलों में उनकी सराहनीय सेवा और असाधारण उपलब्धियों के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और युद्ध सेवा पदक (वाईएसएम) से सम्मानित किया गया है। बीएसपी के राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र पहुंचने पर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांयें) डॉ एम रविन्द्रनाथ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांयें) डॉ कौशलेंद्र ठाकुर, एसीएमओ (एनओएचएस प्रभारी-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ आर राम तथा एमओ (कैसुअल्टी-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ एस के ठाकुर ने उनका स्वागत किया। औपचारिक स्वागत के बाद डॉ अशोक जिंदल ने, डॉ एम रवींद्रनाथ और डॉ कौशलेंद्र ठाकुर के साथ व्यावसायिक स्वास्थ्य के जनक डॉ रामजिन्नी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

डॉ अशोक जिंदल ने एनओएचएससी के विभिन्न विभागों और अनुभागों का दौरा किया और इसके कामकाज में गहरी रुचि दिखाई। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डॉ अशोक जिंदल का एनओएचएससी दौरा आगंतुक पुस्तिका में उनके वक्तव्य के साथ संपन्न हुआ।

इसके बाद डॉ अशोक जिंदल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयंत्र स्थानों जैसे यूनिवर्सल रेल मिल, ब्लास्ट फर्नेस-8 आदि विभिन्न का दौरा किया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में भिलाई के प्रयासों की सराहना की। डॉ अशोक जिंदल ने जवाहरलाल नेहरु अस्पतालएवं अनुसन्धान केंद्र, भिलाई के वरिष्ठ डॉक्टरों के साथ बातचीत भी की। जिसके बाद जेएलएन अस्पताल और आरसी के कॉन्फ्रेंस हॉल में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल डॉ अशोक जिंदल द्वारा डॉक्टरों के लिए सॉफ्ट स्किल्स पर एक रोचक प्रस्तुति दी गई, जिसकी खूब सराहना हुई।

खास खबर...

दिवाली से पहले छत्तीसगढ़ के शिक्षकों को मिल सकता है प्रमोशन का तोहफा

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के शिक्षकों के लिए सरकार दिवाली से पहले प्रमोशन का तोहफा देने की तैयारी में है। राज्य भर में सहायक शिक्षकों और शिक्षकों के प्रमोशन की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। वहीं, लेक्चरर स्तर पर प्रमोशन की फाइल तैयार हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, लेक्चरर प्रमोशन का आदेश कभी भी जारी किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में कई सालों बाद शिक्षकों का प्रमोशन हो रहा है। इससे पहले, प्रमोशन की प्रक्रिया में अत्यधिक देरी हो रही थी, और वर्षों से ग्रेडेशन लिस्ट तक तैयार नहीं की गई थी। हालांकि, नई सरकार के गठन के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आई। स्कूल शिक्षा विभाग और डीपीआई (निदेशालय लोक शिक्षण) की कोशिशों से करीब सात साल बाद शिक्षकों की ग्रेडेशन लिस्ट प्रकाशित की गई।

दावा-आपत्ति प्रक्रिया के बाद, डीपीआई ने ग्रेडेशन लिस्ट को अंतिम रूप दे दिया है। सूबे में 3500 व्याख्याताओं के प्रमोशन लंबित हैं, और इन्हें प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया जाना है। डीपीआई की निदेशक दिव्या मिश्रा ने जानकारी दी कि लेक्चरर का प्रमोशन किसी भी दिन जारी हो सकता है।

व्याख्याताओं के साथ-साथ प्राचार्यों के प्रमोशन पर भी तेजी से काम हो रहा है। प्राचार्यों का प्रमोशन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा, जिलों और संभागों में सहायक शिक्षक और शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया भी पूरी हो रही है। जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी सहायक शिक्षकों का प्रमोशन करेंगे, जबकि संभाग स्तर पर शिक्षकों का प्रमोशन ज्वाइंट डायरेक्टर स्कूल शिक्षा द्वारा किया जाएगा। प्रमोशन के इस कदम से शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ रही है, और यह सरकार की ओर से दिवाली का एक बड़ा उपहार माना जा रहा है।

यूथ डिजाइनर्स फेस्टिवल का आयोजन 21 को, चार सौ युवा होंगे शामिल

रायपुर। इंडियन इस्टीटयूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर्स की स्थापना वर्ष 1972 में हुई थी। इस संस्था का कार्यालय मुंबई में है। स्थापना काल के पश्चात वर्षों से डिजाइनिंग के क्षेत्र में कार्य करने के उपरांत प्रमुख आर्किटेक्ट सरोश वाडिया के नेतृत्व में देश में 31 चेप्टर के माध्यम से 10 हजार से अधिक सदस्य इटीरियर डिजानिंग के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में आईआईडी (यंग डिजाइनर फेस्टिवल) के संयोजक अतुल देशपांडे प्रियंका ठक्कर ने संयुक्त रूप से दी। पत्रकारवार्ता में देशपांडेय ने बताया कि सेंट्रल की स्थापना छग की राजधानी रायपुर में 2010 में हुई। आईआईडी रायपुर में इस समय रायपुर सेंट्रल में दो सौ सदस्य है। कार्यक्रम का आयोजन 21 सितंबर को प्रतिष्ठा लांज जोरा में सुबह 10.30 बजे से शाम 6 बजे मध्य आयोजित है। वाई डीएफ कार्यक्रम में 4 सौ से अधिक युवा शामिल होंगे।

कृषि वैज्ञानिक स्व. शर्मा की स्मृति में डॉ. शर्मा को मिला कृषि रत्न पुरस्कार

दिव्यांग स्कूल के बच्चों व वृध्दाश्रम के बुजुर्गो ने दी अपनी मोहक प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था ने वृंदावन हॉल में अपना आठवां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री व सांसद बृजमोहन अग्रवाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष शालिनी राजपूत ने की तथा उद्योगपति व समाजसेवी आनंद सिंघानिया, महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले तथा वरिष्ठ पत्रकार संजीव गुप्ता उक्त कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे जिन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

संस्था के संरक्षक अजय शर्मा एवं संस्थापक अध्यक्ष सुषमा तिवारी ने बताया कि जिंदगी ना मिलेगी सेवा संस्था ने वृंदावन हाल में अपना आठवां स्थापना दिवस अनूठे ढंग से मनाया। इस आयोजन में शहर के ऐसे दानदाता परिवार सम्मानित हुए जिन्होंने दुख की घड़ी में अपने परिवार के सदस्यों के निधन पश्चात लोक कल्याण हेतू उनके पार्थिव देह को दान किया है, दूसरों को रोशनी देने परिवार के दिवंगत सदस्य का नेंत्रदान किया है साथ ही ऐसे व्यक्ति जिन्होंने 50 से अधिक बार स्वयं रक्तदान किया है। शहर की ऐसी सामाजिक संस्थाओं व विशिष्ठ जन का भी सम्मान किया गया जिन्होने समाज सेवा के क्षेत्र में अपने कार्यों से उच्च आदर्श प्रतिमान स्थापित किये हैं। अपने संस्था द्वारा संचालित चिकित्सा उपकरण बैंक को सहयोग करने वालों को कुबेर सम्मान, गौ सेवा क्षेत्र में सेवा कार्य करने वालों गौ रत्न सम्मान तथा कृषि क्षेत्र में विशिष्ठ उपलब्धि के लिए स्व डॉ मणिशंकर शर्मा की स्मृति में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. जी एल शर्मा को कृषि रत्न सम्मान प्रदान किया गया ।

इस पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण बढ़ते कदम वृद्धाश्रम के बुर्जुगों,अर्पण दिव्यांग स्कूल के बच्चों तथा घरौंदा दिव्यांग आश्रय स्थल के मानसिक दिव्यांग बच्चों एवं संस्था के सदस्यों व अन्य आमंत्रित कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यकम रहा। कार्यकम का संचालन अमृतांशु शुक्ला ने किया। आभार प्रदर्शन संस्था की सचिव ममता शर्मा ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से संरक्षक अजय शर्मा, अध्यक्ष सुषमा त्तिवारी,चंद्रसेना दिवान ममता शर्मा, सीमा अग्रवाल, स्वाती सोनी, हेमलता नूरी,केशव सोनकर, केके कश्यप, सन्तोष साहू, बिहारी लाल शर्मा, डा.सूरज दिवांन, कमल कान्त, सुमन कमलेश शर्मा, सीमा शर्मा, ममता बडगै्य्या, अनिता चौबे, राधिका सोनकर, लता साहू व अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

दिन के तापमान में वृद्धि और शाम को उमस के कारण लोगों की बढ़ी बेचैनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधियां रुकने के कारण दिन और रात के तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। अगले 24 घंटों तक अधिकांश जिलों में आकाश खुला रहने के कारण दिन के तापमान में वृद्धि और शाम को उमस के कारण बेचैनी होने की आशंका है।

रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में पारा 34 डिग्री तक पहुंच सकता है। प्रदेश में गुरुवार को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में मानसून की वापसी 30 सितंबर तक होती है। इससे साफहै कि अब सिर्फ इसी सप्ताह ही बारिश होगी। 20 सितंबर से हल्की से मध्यम वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि की संभावना है।

उत्तर-पूर्व छत्तीसगढ़ और उससे लगे झारखंड के ऊपर एक अवदाब स्थित है, जो पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़कर निम्न दाब के रूप में परिवर्तित हो सकता है। इसके उत्तर छत्तीसगढ़, दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश और उससे लगे उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश के ऊपर पहुंचने की सम्भावना है। इससे बारिश की स्थिति पर असर नहीं होगा। मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर देहरादून, ओरई, अवदाब के केन्द्र, गोपालपुर और उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1095.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 19 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2283.6 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 570.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा जिले में 589.3 मिमी, सूरजपुर में 1082.9 मिमी, बलरामपुर में 1624.0 मिमी, जशपुर में 936.3 मिमी, कोरिया में 1065.7 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1054.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 912.5 मिमी, बलौदाबाजार में 1133.2 मिमी, गरियाबंद में 1024.2 मिमी, महासमुंद में 863.0 मिमी, धमतरी में 979.4 मिमी, बिलासपुर में 945.0 मिमी, मुंगेली में 1050.3 मिमी, रायगढ़ में 988.9 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 630.4 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1145.7 मिमी, सक्ती 967.6 मिमी, कोरबा में 1332.4 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1134.9 मिमी, दुर्ग में 629.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 853.7 मिमी, राजनांदगांव में 1077.4 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1195.7 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 816.8 मिमी, बालोद में 1131.0 मिमी, बस्तर में 1220.3 मिमी, कोण्डागांव में 1116.2 मिमी, कांकेर में 1360.4 मिमी, नारायणपुर में 1337.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 1465.9 मिमी और सुकमा जिले में 1621.7 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

चौथी बार बढ़ाई गई प्रवेश तिथि विवि में दाखिले अब 30 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में दाखिले की तिथि एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। रिक्त सीटों की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, अब 30 सितंबर तक विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिए जा सकेंगे।

रिकॉर्ड चौथी बार प्रवेश तिथियों में वृद्धि की गई है। इसके पूर्व सत्रों में 2 से 3 बार ही प्रवेश तिथि में वृद्धि की जाती रही है। सर्वप्रथम उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 15 अगस्त तक प्रवेश देने का निर्णय किया गया था। बाद में इसे घटाकर 31 जुलाई कर दिया गया। इसके पश्चात पुनः वृद्धि करते हुए इसे 15 अगस्त किया गया। तत्पश्चात पुनः आदेश जारी कर अगस्त अंत तक का समय दिया गया।

यह अवधि भी समाप्त होने के बाद 15 सितंबर तक दाखिले दिए जाने का निर्णय लिया गया। अब इसमें एक और वृद्धि करते हुए सितंबर अंत तक दाखिले दिए जाने का निर्णय किया गया है। आदेश में कहा गया है कि महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सीटें रिक्त रहने की स्थिति में प्रवेश दिए जा सकेंगे। बीते शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बारहवीं कक्षा की द्वितीय परीक्षा के परिणाम जारी किए गए हैं। इसमें उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश का एक मौका अब मिल गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, कॉलेजों में सेमेस्टर पद्धति लागू कर दी गई है। इस स्थिति में दिसंबर माह में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। ऐसे में सितंबर अंत में प्रवेश लेने वाले छात्रों के पास केवल 90 दिनों का ही समय अध्ययन के लिए होगा। इस अवधि में उन्हें आंतरिक मूल्यांकन सहित कई चरणों से गुजरना होगा। ऐसे में नतीजों की चिंता भी कॉलेजों को सता रही है।

ऑफलाइन दे सकेंगे अर्जी

ऐसे छात्र जो पूर्व निर्धारित तिथियों में ऑनलाइन पंजीयन नहीं करा सके हैं, उन्हें ऑफलाइन प्रवेश दिए जा सकेंगे। ये छात्र उन महाविद्यालयों में जहां सीटें रिक्त हैं, संपर्क कर ऑफलाइन प्रवेश निर्धारित तिथि में ले सकते हैं। इसके पश्चात महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा इन छात्रों की जानकारी को ऑनलाइन अपडेट करना होगा, ताकि विश्वविद्यालय के सज्ञान में यह रहे कि कितने छात्रों द्वारा किन विषयों में प्रवेश प्राप्त किए गए हैं।

पेरियार हॉल में चमत्कारों में वैज्ञानिक सत्यता पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विज्ञान की सत्यता है। इस लक्ष्य को सामने रख कर वैज्ञानिक सोच पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुंबई से प्रोफेसर हरी भाऊ पठोड़े, एवं प्रोफेसर रवि खानविलकर सहित डॉ प्रदीप धोते पथ प्रदर्शक उपस्थित रहे । अग्रवाल मैरिज पैलेस के पेरियार हाल में कार्यशाला आयोजित हुई। यह कार्यशाला लोगों में गलत विश्वास, रूढ़िवाद, जादू टोना, आग पर हाथ रखना, आग को खाना, महिलाओं में भूत प्रेत का आना, आग पर चलना जैसे चमत्कारों की सत्यता को प्रदर्शित कर बताया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को विद्वानों ने बताया कि समाज में रूढ़िवादिता, जादू टोना फैला कर कुछ लोग अंधविश्वास फैलाकर समाज को विकृत करते हैं। चमत्कार कैसे-कैसे किये जाते हैं इसे कार्यशाला में दिखाया। दो दिवसीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के अनेक लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागायुक्त एमडी कावरे, प्रोफेसर केपी यादव, मैट्स यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, विभागीय जांच आयुक्त दिलीप वासनीकर, पूर्व आईए एस सत्यजीत ठाकुर, बी.एस जागृत एवं हाईकोर्ट एडवोकेट फैसल रिजवी मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन सिदी खोबरागड़े ने किया।

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन तर्कशील परिषद ने किया 7 कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर आरके सुखदेव उपस्थित थे। समूचे कार्यक्रम में जन जागरण, नशा मुक्ति, बॉडी डोनेशन, नेत्रदान के विषय पर भी लोगों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में रात्रि में आग पर चलने की सच्चाई बताई गई। डॉ. आर.के. सुखदेव ने नंगें पांव आग पर चल कर दिखाया जिन्होंने बताया कि यह एक वैज्ञानिक पद्धति है। आग पर हर आदमी चल सकता है, कोई यह जादू नहीं है कोई अलौकिक शक्ति नहीं है। आग में चलने के लिए तीन सेकंड से पहले पैर उठा लिया जाए तो पैर नहीं जलता। इसी वैज्ञानिक सोच के आधार पर आग पर चला जाता है। लोग अपने अनुभव से विज्ञान की खूबियों को पहचाने एवं समाज में गलत विश्वास को दूर करें। इसी सत्य को चरितार्थ करतु हुई दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई।

केंद्र व राज्य के कर्मचारियों को एक साथ मिलेगा डीए

वित्त मंत्री से चर्चा के बाद अधिकारी-कर्मचारियों की हड़ताल स्थगित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डीए की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ के कर्मचारी 20 सितम्बर से हड़ताल पर जाने वाले थे। लेकिन वित्तमंत्री ओपी चौधरी से हुई दौर की चर्चा के बाद संयुक्त मोर्चा ने प्रदेश व्यापी हड़ताल को स्थगित कर दिया है। राज्य के कर्मचारी केंद्र के सामान डीए की मांग कर रहे हैं। जिसको लेकर प्रदेश के कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है।

दरसअल, राज्य के कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर डीए नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों और पेंशनरों में असंतोष है। जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने 20 सितम्बर को हड़ताल करने का ऐलान किया था। क्योंकि, भाजपा ने विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी देते हुए कहा था कि, वह केंद्र के समान डीए देगी और बकाया एरियर्स की राशि जीपीएफ खाते में अंतरित करेगी। लेकिन वर्तमान में राज्य के कर्मचारी और पेंशनर डीए के मामले में केंद्र के कर्मचारियों से 4 प्रतिशत पीछे चल रहे हैं।

राज्य के कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर 9 सितंबर को प्रदेश व्यापी हड़ताल करने की घोषणा की थी। लेकिन 2 सितंबर को मुख्य मंत्री से चर्चा में मिले ठोस आश्वासन में हड़ताल को 19 सितंबर स्थगित कर दिया गया। संयुक्त मोर्चा की ओर से कहा गया था कि, यदि 19 सितंबर तक डीए का आदेश जारी नही हुए तो 20 सितंबर को हड़ताल करेंगे। छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री चौधरी ने मोर्चा के प्रतिनिधियों को 13 सितंबर को चर्चा के लिए आमंत्रित कर प्रदेश की वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को चार प्रतिशत डीए देने की सहमति व्यक्त की थी। लेकिन देय तिथि से डीए देने पर गति रोध संयुक्त मोर्चा और शासन के बीच बना रहा।

वित्त मंत्री एवं मुख्यमंत्री की आपसी चर्चा के बाद दूसरे दौर की चर्चा हेतु वित्त मंत्री के बुलाने पर मोर्चा के घटक संगठनों के प्रतिनिधियों की 17 सितंबर को देर रात्रि वित्तमंत्री के साथ दूसरे दौर की हुई। इस चर्चा में वित्त मंत्री ने कहा कि, चार प्रतिशत डीए देने की घोषणा मुख्य मंत्री स्वयं अतिशीघ्र करेंगे तथा निकट भविष्य में शासन ऐसी योजना ला रहा है। जिस दिन केंद्र सरकार डीए देने की घोषणा करेगी उसी दिन से राज्य सरकार के कर्मचारियों पर स्वमेव लागू हो जायेगा और डीए अब मांगना नहीं पड़ेगा। वित्त मंत्री की इसी वादे पर कि, डीए का आदेश इसी माह में जारी होने तथा भविष्य में केंद्र सरकार की घोषणा के साथ उसी तिथि पर डीए देने के आश्वाशन पर संयुक्त मोर्च ने 20 सितम्बर की एक दिवसीय प्रदेश व्यापी हड़ताल को स्थगित कर दिया है।

सेब को छीलकर खाना चाहिए या बिना छीले?

सेब खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। सेब के छिलके में फाइबर, विटामिन-ए, एंटी-ऑक्सीडेंट्स और कार्ब्स से भरपूर होता है। ऐसे में अगर आप सेब को छीलकर खाते हैं तो कुछ पोषक तत्व कम हो जाते हैं, इसलिए सेब को छिलके समेत खाना ज़्यादा फ़ायदेमंद होता है। ऐसे आज हम आपको बताएंगे सेब को छीलकर खाना चाहिए या बिना छीले? आइए जानते हैं सेब खाने के सही तरीके के बारे में।

सेब को बिना छीले खाना के फायदे

सेब के छिलके पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं, जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं। एक्सरसाइज के साथ अगर आप कैलोरी के सेवन को कम करते हैं, तो यह आपकी वज़न घटाने में काफी मदद करते हैं।

सेब का छिलका वज़न घटाने में काफी मददगार होता है। इसमें मौजूद फाइबर है आपके लिवर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही हड्डियों को भी स्वस्थ रखता है। यह शुगर के मरीज़ों में पाचन को बेहतर बनाए रखता है और साथ ही कब्ज़, गैस या पेट फूलने से परेशान के लिए कारगर साबित होता है। सेब के छिलके में विटामिन्स-ए, के और सी से भरपूर होता है। इसके अलावा सेब के छिलके में पोटैशियम, कैल्शियम और फास्फोरस होता है। जो दिल, दिमाग, किडनी के सेहत के लिए काफी फायदेमंद है।

सेब के छिलके में एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कई पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करता है, जिससे दिल हेल्दी रहता है।

फेफड़ों की सुरक्षा के लिए सेब का छिलका बेहद फायदेमंद होता है। इसमें क्वेरसेटिन होता है, एक एंटी इंफ्लामेटरी यौगिक है जो फेफड़ों को कई बीमारियों से बचाता है।

सेब के छिलके में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को कैंसर से बचाने में सहायक होते हैं। इसके अलावा सेब के सेवन से ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है।

शोभिता धूलिपाला की लव सितारा का ट्रेलर रिलीज, आधुनिक रिश्तों पर आधारित है फिल्म

वंदना कटारिया के निर्देशन में बनी फिल्म लव सितारा को जी5 पर डायरेक्ट-टू-ओटीटी रिलीज मिल गई है। शोभिता धूलिपाला और राजीव सिद्धार्थ अभिनीत यह फिल्म एक ऐसे परिवार की कहानी के साथ लोगों का दिल जीतने के लिए तैयार है, जिसमें हाईवोल्टेड ड्रामा, शादी में अशांति और रहस्य शामिल हैं। रिलीज से पहले, निर्माताओं ने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाने के लिए फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया है।

फिल्म लव सितारा का ट्रेलर रिलीज हो गया। 27 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर प्रीमियर के लिए तैयार इस फिल्म की कहानी तारा (शोभिता धूलिपाला) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक स्वतंत्र इंटीरियर डिजाइनर हैं। दूसरी ओर अर्जुन (सिद्धार्थ) एक भावुक शेफ हैं और अंतरराष्ट्रीय सफलता के शिखर पर पहुंच चुके हैं। ट्रेलर के अनुसार, लव सितारा प्यार, स्वीकृति और क्षमा की एक सम्मोहक कहानी प्रस्तुत करती है। कहानी तब और सघन हो जाती है जब अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण तारा और अर्जुन दो पूरी तरह से अलग लोगों के बीच जल्दबाजी में शादी का प्रस्ताव आता है।

फिल्म आधुनिक रिश्तों की चुनौतियों, पारिवारिक अपेक्षाओं और असुविधाजनक वास्तविकताओं का सामना करने के लिए आवश्यक साहस की पड़ताल करती है। शोभिता ने इंस्टाग्राम पर अपनी अगली फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, इस मधुर और विनम्र पारिवारिक ड्रामा को प्रस्तुत करते हुए हमने केरल में कोविड लॉकडाउन के दौरान कुछ बहुत ही अनोखी चुनौतियों का सामना करते हुए शूट किया। मेरे लिए सितारा का किरदार अनोखा और खास रहा है।

रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित लव सितारा को प्यार, दिल टूटने और आत्म-खोज की कहानी के रूप में वर्णित किया गया है। फिल्म में शोभिता और राजीव के अलावा सोनाली कुलकर्णी हैं। यह फिल्म 27 सितंबर को जी5 और ओटीटीप्ले प्रीमियम पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी।

सनी लियोन व प्रभुदेवा स्टारर गाना पेट्टा रैप का टीजर हुआ रिलीज

सनी लियोन और प्रभुदेवा की धमाकेदार जोड़ी एक बार फिर से दर्शकों के दिलों पर राज करने के लिए तैयार है। हाल ही में इन दोनों स्टार्स के नए गाने पेट्टा रैप का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस टीजर में सनी लियोन और प्रभुदेवा की जबरदस्त केमिस्ट्री और एनर्जेटिक डांस मूव्स नजर आ रहे हैं, जिसने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

जब सनी से उनके अनुभव के बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, हमने इस फास्ट बीट नंबर को थाईलैंड में शूट किया है। मैं प्रभुदेवा सर की बहुत बड़ी फैन हूं। वह अपने इनोवेटिव और इलेक्ट्रिक डांस मूव्स के लिए जाने जाते हैं। मैं उनके स्टेप्स के साथ अपने स्टेप्स मिलाने की कोशिश में घबरा रही थी। मुझे लगता है कि मैंने इसे ग्रेसफुली निभाया है। जैसे ही सनी ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, यह उनके करियर में एक और माइलस्टोन साबित हुआ। पेट्टा रैप में उनका प्रजेंस इस गाने की एनर्जी और डायनामिक कोरियोग्राफी का जबरदस्त कमाल है।

यह धमाकेदार गाना 27 सितंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने वाला है। सनी लियोन और प्रभुदेवा के फैंस बेसब्री से इस गाने के फुल वर्जन का इंतजार कर रहे हैं। पेट्टा रैप की झलक ने ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिससे यह साफ है कि फुल सिंगल भी धमाका करने वाला है।

एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर रीवा अरोड़ा की नहीं पता किसी को रियल एज

एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर रीवा अरोड़ा फिल्म उरी और छत्रीवाली के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था और खूब नेम-फेम कमाया। वो सबसे अमीर चाइल्ड एक्टर्स में से एक हैं। हालांकि, रीवा अपनी एज को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी में रहती हैं।

रीवा की फैमिली के हिसाब से वो 17 साल की हैं और उनका जन्म 2007 में हुआ है। हालांकि, कुछ फैंस ने रीवा के चार साल पुराने इंटरव्यू को प्वॉइंटआउट किया, जिसमें वो अपनी उम्र 9 साल बता रही हैं।

रीवा की उम्र को लेकर उन्होंने कहा था- मैं इसे लेकर क्या कहूं? जो लोग मेरी उम्र और जो मैं कर रही हूं उसे लेकर शक कर रहे हैं उनके लिए मेरे पास कुछ कहने के लिए नहीं है। जो लोग मुझे प्यार देते हैं वो मेरे लिए काफी हैं। बता दें कि 2022 में रीवा की एक्टर करण कुंद्रा संग रोमांस करते हुए एक रील्स वायरल हुई थी, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ था। करण कुंद्रा को चाइल्ड एक्टर संग म्यूजिक वीडियो में रोमांस करने की वजह से ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस की नेटवर्थ तकरीबन 8 12 करोड़ है। रीवा अरोड़ा लग्जरी लाइफ स्टाइल मेंटेन करती हैं। उन्हें लग्जरी गाड़ियों का शौक है। रीवा के पास 40 लाख की ऑडी है।

बता दें कि रीवा ने 2019 में फिल्म उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक से डेब्यू किा था। इस फिल्म में उनकी काफी तारीफ हुई थी। उनकी एक्टिंग को क्रिटिक्स ने भी सराहा था। वर्क फ्रंट पर ने फिल्म भारत, सेक्शन 375, गुंजन सक्सेना- द करगिल गर्ल, बंदिश बैंडिट्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग जैसे प्रोजेक्ट किए हैं।

अविका गौर ने गाउन पहन गिराई बिजली

टीवी के फेमस शो बालिका वधू में छोटी सी आनंदी का किरदार निभाकर एक्ट्रेस अविका गौर ने हर भारतीय घर में अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। एक्ट्रेस लंबे समय तक शो का हिस्सा रहीं और लोगों को उनकी एक्टिंग खूब पसंद आई थी। इसके बाद अविका को टीवी सीरियल ससुराल सिमर का में रोली के किरदार में देखा गया था।

बालिका वधू फेम एक्ट्रेस अविका गौर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह बेहद हॉट और ग्लैमरस लग रही हैं। एक्ट्रेस ने ऑरेंज कलर का बैकलैस गाउन पहना हुआ है और उनका लुक काफी बोल्ड है। अविका गौर की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। कुछ यूजर्स ने तो यह तक कह दिया कि अविका गौर की हॉटनेस ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। बता दें कि अविका गौर ने अपने करियर की शुरुआत बालिका वधू सीरियल से की थी। इस सीरियल में उन्होंने एक बाल विवाह की शिकार लड़की का किरदार निभाया था। इस सीरियल के बाद अविका गौर कई और टीवी सीरियल्स और फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

छोटे पर्दे की मशहूर अदाकारा अविका गौर ने अपने डेब्यू सीरियल बालिका वधू से दर्शकों के दिलों में बस गई।

अविका गौर टीवी की उन एक्ट्रेस में से हैं जिन्होंने अपने दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। अविका गौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इसके साथ ही वो इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें भी पोस्ट करती रहती हैं। आपको बता दें कि अविका गौर रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं।

क्या आप जानते टूथब्रश से भी बीमार पड़ सकते हैं

लीजिए कैसे रख सकते हैं इसे साफ

आपका टूथब्रथ भी आपको बीमार बना सकता है। दरअसल, जिस टूथब्रश से हम अपने दांतों को साफ करते हैं। जब उसका इस्तेमाल कई-कई महीनों तक करते हैं तो वह नुकसानदायक बन जाता है। इस टूथब्रश पर 1 12 मिलियन से ज्यादा बैक्टीरिया मौजूद हो सकते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि, करीब 70 प्रतिशत टूथब्रश पर ये बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो सेहत को नुकसान और बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा पैदा कर सकते हैं, इसलिए टूथब्रश को ठीक से स्टोर और उसकी साफ-सफाई सही तरीके से करनी चाहिए।

एक रिसर्च के मुताबिक, टूथब्रश में एस्चेरिचिया कोली अर्थात ई।कोली बैक्टीरिया हो सकते हैं, जिससे उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे स्टेफिलोकोसी बैक्टीरिया का जोखिम भी हो सकता है, जो स्किन इंफेक्शन का कारण बन सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, टूथब्रश को हर तीन महीने में बदल लेना चाहिए। इतने समय में उसके ब्रिसल्स खराब या उसके आकार में बदलाव आ सकते हैं। इसी समय बैक्टीरिया (Bacteria) टूथब्रश के ब्रिसल्स में आ सकते हैं। अगर आप किसी बीमारी से ठीक हुए हैं तो तुरंत अपना ब्रथ बदल लेना चाहिए।

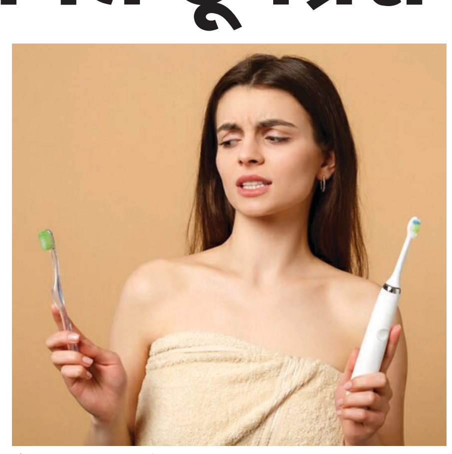

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि जाइंट फैमिली में जब ज्यादा लोग एक ही बाथरूम यूज करते हैं तो कुछ लोग अक्सर फ्लश का ढक्कन बंद किए बिना ही फ्लश चला देते हैं। ऐसे में फ्लश के गंदे पानी की बूंदें बाथरूम में मौजूद हवा में घुल जाती हैं। इन बूंदों में मौजूद बैक्टीरिया बाथरूम में मौजूद टूथब्रश को संक्रमित कर सकती हैं। जिससे आप गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

टूथब्रश को बैक्टीरिया से कैसे बचाएं

- हर तीन महीने में टूथब्रथ बदल लें।
- ब्रश करने से पहले और बाद में हाथों को अच्छी तरह धोएं।
- ब्रिसल्स खराब होने के बाद टूथब्रथ का इस्तेमाल न करें।
- ब्रश को शौचालय से दूर रखें।
- टूथब्रश को बेड-सोफे पर न रखें।
- अपने ब्रश को किसी और के टूथब्रश के साथ न रखें।
- ट्रैवल के दौरान ब्रश कवर करके ही रखें।
- परिवार में कोई बीमार है तो उसका टूथब्रथ अलग रखें।

टूथब्रश को कैसे साफ करें

- टूथब्रश को नियमित साफ करना चाहिए, क्योंकि उसके ब्रिसल्स में गंदगी छिपी रहती है।
- टूथब्रश को इस्तेमाल करने से पहले और बाद में नॉर्मल या गुनगुने पानी से अच्छी तरह धोएं।
- टूथब्रश से बैक्टीरिया का सफाया करने के लिए एल्कोहल युक्त माउथवॉश या सिरका से साफ कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर केवीआईसी ने लाखों खादी कारीगरों को दिया तोहफा

केवीआईसी की 'सिलाई समृद्धि योजना' का शुभारंभ

नई दिल्ली (पीआईबी)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और मोदी सरकार 3.0 के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर पूज्य बापू की जन्मस्थली पोरबंदर के अस्मावती रिवरफ्रंट पर आयोजित एक कार्यक्रम में लाखों खादी कारीगरों को बड़ा तोहफा दिया। चरखे पर सूत कातने वाली कत्तिनों की पारिश्रमिक में 25 प्रतिशत और बुनकरों की पारिश्रमिक में 7 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की गयी है। बढ़ी हुई पारिश्रमिक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन 2 अक्टूबर 2024 से लागू होगी।

इस अवसर पर अस्मावती रिवरफ्रंट पर लगाए गये 26 फीट लंबे और 13 फीट चौड़े स्टेनलेस स्टील के 'स्मारक चरखे' का भी अनावरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष केवीआईसी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत 3911 लाभार्थियों के खाते में 101 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण और 1100 नयी पीएमईजीपी ईकाइयों का भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज कुमार ने बताया कि उनके कार्यकाल में दूसरी बार कत्तिनों और बुनकर की पारिश्रमिक बढ़ाई गयी है। 2 अक्टूबर 2024 से सूत कातनेवाली कत्तिनों को प्रति लच्छा 10 रुपये की जगह 12.50 रुपये का मेहनताना मिलेगा।

इससे पहले 1 अप्रैल 2023 को 7.50 रुपये से बढ़ाकर इसे 10 रुपये प्रति लच्छा किया गया था। उन्होंने आगे कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'खादी क्रांति' ने कत्तिनों और बुनकरों के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। खादी का कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 1 लाख 55 हजार करोड़रुपये के पार पहुंच गया है। प्रधानमंत्री के दृष्टकोण के अनुरूर इसका लाभ खादी परिवार के कारीगरों तक पहुंचाने के लिए आयोग ने पारिश्रमिक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि देशभर में करीब 3000 पंजीकृत खादी संस्थाएं हैं जिनके माध्यम से 4.98 खादी कारीगरों को रोजगार मिल रहा है, जिसमें 80 प्रतिशत के करीब महिलाएं है। बढ़ी हुई पारिश्रमिक से इन्हें आर्थिक रूप से नयी शक्ति मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार में अभी तक 213 प्रतिशत के करीब पारिश्रमिक बढ़ाई गयी है, जोकि इस बात का प्रतीक है कि खादी के माध्यम से ग्रामीण भारत आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष केवीआईसी ने दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगे स्मारक (मॉन्यूमेंटल) चरखे की तर्ज पर अस्मावती रिवरफ्रंट पर स्टेनलेस स्टील से बने स्मारक चरखे का अनावरण किया। इससे पहले 12 सितंबर को ऐसे ही एक चरखे का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी किया गया था। अपने अध्यक्षीय भाषण में अध्यक्ष केवीआईसी मनोज कुमार ने कहा कि स्मारक चरखे को लगाने के पीछे केवीआईसी का उद्देश्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से नयी पीढ़ी को जोड़ने के साथ ही भारत की राष्ट्रीय धरोहर खादी के बारे में लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने आगे कहा कि 'नये भारत की नयी खादी' ने 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत अभियान' को नयी दिशा दी है। पूज्य बापू की जन्मस्थली में स्थापित ये चरखा नयी पीढ़ी को राष्ट्रपिता की विरासत की याद दिलायेगा।

कार्यक्रम के दौरान पीएमईजीपी के अंतर्गत देशभर के 3911 लाभार्थियों के खाते में 101 करोड़ रुपये मार्जिन मनी (सब्सिडी) का भी वितरण किया गया। इसके माध्यम से 43,021 नये रोजगार का सृजन हुआ है।

साथ ही देशभर में स्थापित 1100 नयी पीएमईजीपी ईकाइयों का भी शुभारंभ अध्यक्ष केवीआईसी के करकमलों द्वारा किया गया। लाभार्थियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष केवीआईसी मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और एमएसएमई मंत्रालय के मार्गदर्शन में पीएमईजीपी देश के कुटीर उद्योग के लिए नयी ऊर्जा और शक्ति बनकर उभरी है। इसके माध्यम से पिछले 10 वर्षों में 9.58 लाख नयी परियोजनाओं के माध्यम से 83.48 लाख लोगों को रोजगार मिला है। इस दौरान केवीआईसी ने करीब 24 हजार करोड़ रुपये की मार्जिन मनी का वितरण किया है। उन्होंने आगे कहा कि खादी और ग्रामोद्योग के माध्यम से पिछले वित्तवर्ष में 10.17 लाख नये रोजगार का सृजन हुआ है। कार्यक्रम में केवीआईसी के राज्य कार्यालय गुजरात से जुड़ी खादी की संस्थाओं के प्रतिनिधि, खादी कार्यकर्ता और कारीगर और केवीआईसी के अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की पहल से पैरालिसिस बीमारी से जूझ रहे मानकुवेर नाग को मिला व्हील चेयर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से बगिया में स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के द्वारा लोगों की मदद करने का सिलसिला सतत् रूप से जारी है। इसी कड़ी में पैरालिसिस बीमारी से जूझ रही बगीचा तहसील के महादेवडांड टुकुपानी निवासी श्रीमती मानकुवेर नाग चलने-फिरने में असमर्थ थीं। उन्हें मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से व्हील चेयर प्रदान की गई है। पैरालिसिस बीमारी से पीड़ित श्रीमती मानकुवेर नाग के परिजनों ने सीएम कैंप कार्यालय बगिया में पहुंचकर मदद के लिए आवेदन किया था। परिवार की इस अपील को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर तुरंत कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें व्हील चेयर प्रदान किया। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद देने का आश्वासन भी दिया। इस सहायता से मानकुवेर नाग और उनके परिजनों के चेहरे पर खुशी दिखी। श्रीमती मानकुवेर नाग ने कहा कि व्हील चेयर मिलने से अब वे अपने दैनिक कार्यों को आसानी से कर पाएंगी। परिवार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उनकी धर्मपत्नी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और कहा कि इस मदद से उनके जीवन में एक नई आशा और राहत आई है।

गांव-गांव जाकर सुपोषण का मंत्र सिखा रहा पोषण रथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत संचालित वजन त्यौहार के तहत लोगों को जागरूक करने के लिए गांव गांव में पोषण रथ का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत जशपुर जिले में बुधवार को पोषण रथ जशपुरनगर पहुंचा। जहां आंगनबाड़ी केंद्र गढ़ाटोली, डीपाटोली, तेलीटोली, चीरबगीचा एवं बघीमा में पहुंच पोषण रथ द्वारा महिलाओं एवं बच्चों को पौष्टिक आहार, टीकाकरण, एनीमिया एवं उससे बचने के उपाय, आयरन फोलिक एसिड की गोली लेने, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं के सम्पूर्ण देखभाल, डायरिया से बचने के उपाय इत्यादि के संबंध वीडियो दिखाया गया।

ज्ञात हो कि जशपुर जिले में पोषण रथ लगातार गांव गांव घूमकर जागरूकता प्रसार कर रही है। जिसके तहत अब तक रथ पत्थलगांव, लुडेंग, बागबहार, तपकरा, फरसाबहार, दोकड़ा, कांसाबेल, कुनकुरी, केराडीह, दुलदुला, जशपुर, लोदाम में लोगों को जागरूक करने हेतु पहुंच चुकी है। 23 सितम्बर तक पोषण रथ मनोरा, आस्ता, सन्ना, बगीचा पहुंच कर लोगों को जागरूक करेगी।

उल्लेखनीय है कि जिसमें 12 से 23 सितम्बर तक चलने वाले वजन तिहार में बच्चों के वजन में बढ़ोत्तरी को मापने के साथ ही सामुदायिक जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। पोषण माह के तहत सुपोषण चौपाल, अन्नप्राशन दिवस, परिवार चौपाल, पोषण मेला, व्यंजन प्रदर्शन जैसे आयोजन पंचायत और शहरी क्षेत्रों में किए जा रहे हैं। पोषण के प्रति बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूलों में नारा लेखन, निबंध, चित्रकला और दीवार लेखन प्रतिस्पर्धाएं भी आयोजित किये जा रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं को 0 से 06 वर्ष के बच्चे, किशोरी बालिकाओं के खान-पान और स्वास्थ्य देखभाल के बारे में बताया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार भोजन में शामिल करने का आग्रह किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में आयोजित होगा 19वां नेशनल जैम्बोरी

मुख्यमंत्री साय से राज्य भारत स्काउट्स और गाइड्स संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री तथा छत्तीसगढ़ राज्य भारत स्काउट्स और गाइड्स संघ के संरक्षक विष्णुदेव साय से शाम यहाँ उनके निवास कार्यालय में रायपुर लोकसभा सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में, भारत स्काउट्स और गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल के साथ प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान वर्ष 2025 के अंतिम तिमाही में 19वें राष्ट्रीय स्काउट्स और गाइड्स जैम्बोरी और विश्व गर्ल गाइड्स के पहले विश्व जैम्बोरी की मेजबानी पर चर्चा की गई। इस दौरान आयोजीत बैठक भारत स्काउट्स और गाइड्स द्वारा नवंबर 2024 से नवंबर 2025 तक मनाए जा रहे हीरक जयंती समारोह के संदर्भ में हुई, जो 7 नवंबर 1949 को सभी स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों के एकीकरण की 75वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को एक प्रतीकात्मक स्काउट स्कार्फ, व्हाट इज़ स्काउटिंग नामक एक कॉफी टेबल बुक और पिछले जैम्बोरी की रिपोर्ट भेंट की गई। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें स्काउट्स और गाइड्स की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों के बारे में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में किए गए कार्यों पर जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने स्काउट्स और गाइड्स द्वारा किए गए योगदानों में गहरी रुचि दिखाई और विशेष रूप से कोरोना महामारी के दौरान उनके असाधारण सेवा कार्यों की सराहना की। एक सच्चे स्काउट की तरह अपने कार्य और आचरण में, श्री विष्णु देव साय ने विशेष रूप से आदिवासी युवाओं के विकास के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाई है। स्काउट्स और गाइड्स द्वारा राष्ट्र के युवाओं के भविष्य को आकार देने में निभाई गई अमूल्य भूमिका को पहचानते हुए, मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में हीरक जयंती, 19वें राष्ट्रीय जैम्बोरी और विश्व गर्ल गाइड्स के पहले विश्व जैम्बोरी की मेजबानी के लिए सहर्ष सहमति दी।

बृजमोहन अग्रवाल और प्रतिनिधिमंडल ने स्काउटिंग समुदाय की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के युवाओं को देश और विदेश से आए स्काउट्स के साथ बातचीत करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और नेटवर्किंग का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, यह जैम्बोरी राज्य की प्रगति और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

भारत स्काउट्स और गाइड्स के 65 लाख से अधिक सदस्य हैं, और यह संगठन देश के युवाओं के नैतिक और नेतृत्व गुणों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य भारत स्काउट्स और गाइड्स संघ के राज्य मुख्य आयुक्त सोम नाथ, जो जैम्बोरी के सचिव होंगे, ने मुख्यमंत्री का इस सद्भावना के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधि मंडल में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त डा सोमनाथ यादव कार्यकारी अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, नेशनल डायरेक्टर अमर क्षत्री, कोषाध्यक्ष मुरली शर्मा, राज्य सचिव कैलाश सोनी, राज्य आयुक्त प्रेम प्रकाश शर्मा शामिल थे।

सभी विश्वविद्यालय शैक्षणिक कैलेण्डर का कड़ाई से पालन करें-राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों के कामकाज की समीक्षा की। राज्यपाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विश्वविद्यालय सत्र के प्रारंभ से अपना शैक्षणिक कैलेण्डर बनाएं और उसका कड़ाई से पालन करें और शिक्षा की गुणवत्ता और अधिक सुधारने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याएं जानें और उसे दूर करने के प्रयास करें।

राजभवन के कांफ्रेंस हॉल में आज आयोजित बैठक में राज्यपाल श्री डेका ने विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की। श्री डेका ने कहा कि विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के कार्य संचालन में कई समस्याएं आती हैं उनके निराकरण के लिए नियमित प्रयास करें। उन्होंने प्राध्यापकों की कक्षाओं में नियमित उपस्थिति पर जोर दिया ताकि विद्यार्थी कक्षा में आएं। उन्होंने ग्रंथालयों में सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिएं जिससे विद्यार्थी अपने समय का सदुपयोग कर, पुस्तकों से ज्ञान प्राप्त करें।

राज्यपाल ने डिजिटलीकरण पर बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अंक सूची व अन्य प्रमाण पत्रों को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने महाविद्यालयों में प्रवेश नीति का सही तरीके से पालन करने के निर्देश दिए। प्राध्यापकों की नियमित बैठक करें और अध्ययन-अध्यपन में आने वाली दिक्कतों की जानकारी लें तथा जो कमियां है उसे दूर करें। महिला कर्मियों की समस्याओं पर भी विशेष ध्यान दें। शिक्षकों का रिफ्रेशर कोर्स भी नियमित रूप से कराएं। विश्वविद्यालयों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती के निर्देश दिये। परीक्षाएं सही ढ़ंग से आयोजित की जाएं। ताकि इसमें गड़बड़ी ना हो। विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के लिए उद्योगों से समन्वय करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने आयुष विश्वविद्यालय में टी.बी. और कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम हेतु अनुसंधान करने पर विशेष बल दिया। कृषि विश्वविद्यालय को निर्देश दिए कि ज्यादा उत्पादन देने वाले धान की किस्म राज्य में लाएं तथा कृषि विकास केंद्रों के जरिये कैम्प लगाकर किसानों को बताएं कि वे किस किस्म की फसल लगा सकते हैं। उन्हें पारंपरिक फसल के स्थान पर लाभप्रद फसल के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कृषि उत्पादन आयुक्त को किसानों को फसल बीमा, क्रेडिट कार्ड आदि की सुविधा नियमित रूप से उपलब्ध कराने एवं उनके खेतों की मिट्टी का समय-समय पर परीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों, विशेष कर व्यवसायिक और तकनीकी विश्वविद्यालयों में नवाचार को बढ़ावा देने और युवाओं को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालय परिसरों में साफ-सफाई और अनुशासन पर भी विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने विश्वविद्यालयों में लंबे समय से ऑडिट नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की और 6 माह के भीतर ऑडिट कराने के निर्देश दिये।

बैठक के प्रारंभ में राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार ने समीक्षा बैठक के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी दी। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने बारी-बारी से प्रेजेंटेशन दिया।

उद्योग मंत्री की सीमेंट उद्योगपतियों को दो टूक, सीमेंट दर न बढ़ाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सीमेंट के दामों में पिछले दिनों हुई वृद्धि को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज शाम तेलीबांधा स्थित उद्योग भवन में प्रदेश के सभी सीमेंट कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक ली।

बैठक में मंत्री श्री देवांगन ने कंपनियों के प्रमुखों से सीमेंट के बढ़ाए गए दरों को लेकर विस्तार से बातचीत की। मंत्री श्री देवांगन ने इस अवसर पर कहा कि सीमेंट के दर को लेकर सरकार बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि दर बढ़ने से हर वर्ग की चिंता बढ़ गई है। मंत्री श्री देवांगन ने बैठक में स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी तरह से सीमेंट की दर बढ़ने से पहले सरकार की परामर्श जरुर लेंगे। बिना परमर्श के रेट बढ़ाने से हर वर्ग की परेशानी बढ़ जाती है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि हाल ही प्रदेश में साढ़े 8 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए हैं, आने वाले दिनों और भी पीएम आवास के साथ-साथ अभी निर्माण एजेंसियों के माध्यम से प्रदेश भर में निर्माण कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। ऐसे में अगर दर बढ़ाना गलत है। अक्सर मानसून में निर्माण के कार्य कम हो जाते हैं, इस वजह से सीमेंट की खपत कम हो जाती है, आने वाले दिनों में जैसे ही निर्माण कार्य प्रारंभ होंगे, खपत फिर बढ़ जाएगी। मंत्री श्री देवांगन ने दो टूक कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार उद्योगों के लिए बहुत अधिक गंभीर है, उद्योगों को किस तरह और बेहतर माहौल मिल सके इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

रोजगार को बढ़ावा देने बस्तर वनमण्डल में किया जा रहा शीशल रोपण

जगदलपुर। वर्तमान में शीशल उद्योग छत्तीसगढ़ में कहीं पर भी संचालित नहीं है। ऐसे में इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सचिव सहकारिता विभाग डॉ.सीआर प्रसन्ना के द्वारा बस्तर जिले के प्रवास कार्यक्रम के दौरान दिए गए निर्देशानुसार वन परिक्षेत्र बस्तर के अन्तर्गत कोलचूर बीट के कक्ष क्रमांक पी. 1442 नया 532 रकबा 50 हेक्टेयर में भरनी के पास शीशल रोपण किया गया है। ग्राम भरनी में रान बांस डोरी उद्योग समिति बना हुआ है। वनमण्डलाधिकारी बस्तर के द्वारा ग्राम भरनी का दौरा कर तत्काल शेड निर्माण कार्य और मशीन लगाने का निर्देश दिया गया था, जिसके अनुरूप ग्राम भरनी में शेड निर्माण के पश्चात शीशल प्रसंस्करण का कार्य किया जा रहा है। बस्तर वनमण्डल के अन्तर्गत वन परिक्षेत्र बकावण्ड के ढोढरेपाल में 50 हेक्टेयर रकबा में 11000 शीशल रोपण एवं वन परिक्षेत्र बस्तर अन्तर्गत भरनी में 50 हेक्टेयर में 11000 शीशल रोपण किया गया था। बस्तर वनमण्डल में कुल 100 हेक्टेयर रकबा में 22000 शीशल रोपण का कार्य वृहद रूप से किया गया है जिससे समिति को रॉ-मटेरियल भरपूर मिल सकेगा और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मेरा नाम अगेव शिशलाना है लोग मुझे केकती, रान बांस या शीशल के नाम से जानते हैं मैं बहुत ही कम पानी से अपना जीवन चला सकती हूं, परन्तु अपने शरीर के भीतर पर्याप्त जल संग्रहण कर रखती हूं जहां मैं रहती हूं, उस स्थान पर भूमि नम रहती है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

जांजगीर चांपा में दो लोगों की मौत, एक को खेत में दवा छिड़कने के दौरान लगा करंट, दूसरा नदी में डूबा

जांजगीर चांपा। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में करंट की चपेट में आने से किसान की मौत हो गई। वहीं, चांपा थाना क्षेत्र के हसदेव नदी में नहाने गए युवक की पानी में डूबने से मौत हुई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 में किसान नरेंद्र कश्यप (27) निवासी जोबी गुरुवार सुबह करीब आठ बजे खेत में दवा छिड़कने के लिए गया हुआ था। इस दौरान फेसिंग तार की चपेट में आने से उसे करंट लग गया। करंट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है की घर बनाने के लिए अवैध रूप से बिजली कनेक्शन लेकर निर्माण किया जा रहा है, जिसमें एक तारा का कुछ हिस्सा फेसिंग तार से छू रहा था। परिजनों ने आक्रोश दिखाते हुए बिजली विभाग और अवैध बिजली कनेक्शन किए व्यक्ति के ऊपर कार्रवाई व मुआवजे की मांग की है।

चांपा थाना क्षेत्र के हसदेव नदी पाढी घाट में गुरुवार सुबह छह बजे रामकुमार केवट (40) निवासी नीम चौक नहाने पहुंचा हुआ था। हसदेव नदी में डुबकी लगाई मगर दोबारा ऊपर आ न सका, बहुत समय बीतने के बाद युवक राम कुमार घर नहीं पहुंचा तो परिजन देखने पहुंचे। घाट पर कपड़े रखे हुए थे। पानी में डूबने की शंका होने पर पुलिस को सूचना दी गई। वहीं, केवट समाज के लोगों ने हसदेव नदी में खोजबीन शुरू की। पांच घंटे बाद शव को बाहर निकाला गया। मृतक रामकुमार केवट का हसदेव नदी के नीचे पत्थर में फंसा हुआ था। चांपा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पत्नी की बेरहमी से हत्या, पति ने डंडे से पीट-पीटकर ले ली जान

रायगढ़। जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र में मामूली सी बात पर एक पति ने डंडे से पीट-पीटकर अपनी ही पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम फूलीकुंडा निवासी पंचराम पंडो (27) ने अपनी पत्नी सुमारी पंडो (25) के साथ लारीपानी साप्ताहिक बाजार गया हुआ था। वहां उसकी पत्नी सुमारी पंडो ने नये कपड़े दिलाने की मांग की है। महिला के पति पंचराम ने मना किया। इसके बाद दोनों के बीच बाजार में ही विवाद हो गया। पंचराम सुमारी को बाजार में ही छोड़कर घर पहुंच गया।

काफी देर बाद जब उसकी पत्नी सुमारी घर पहुंची, तब दोनों के बीच फिर से विवाद हो गया। दोनों के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया कि पंचराम ने लकड़ी के डंडे से महिला के सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी को लगा था कि संभवत महिला ठीक हो जाएगी, इसलिये उसने महिला के शव को रात भर घर में ही रखा। महिला के सुबह तक होश में नहीं आने के बाद उसने ही मामले की जानकारी गांव के ग्रामीणों को दी। इसके बाद पुलिस को इस घटना की जानकारी मिली। ग्रामीणों ने बताया कि पंचराम और सुमारी पंडो ने करीब चार साल पहले ही लव मैरीज की थी। उनका एक बच्चा भी है। मामूली विवाद के बाद यह घटना घटित हो गई। महिला की हत्या की जानकारी मिलते ही लैलूंगा पुलिस फूलीकुंडा गांव पहुंचकर मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए उसे लेकर पूछताछ कर रही है।

नाबालिग का शारीरिक शोषण, महिला गिरफ्तार

जशपुर के कुनकुरी थाना क्षेत्र का मामला, हरियाणा से पकड़ाई महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक महिला द्वारा एक नाबालिग बालक से शारीरिक शोषण का मामला सामने आया है। नाबालिग बालक को महिला ने अपने झांसे में लिया और भगा कर हरियाणा ले गई। नाबालिग के साथ महिला ने शारीरिक संबंध बनाए और लगातार शारीरिक शोषण करती रही। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने हरियाणा के जिंद से आरोपिया महिला को गिरफ्तार किया और धारा 137(2) भा.न्या.संहिता एवं 6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने दिनांक 27 अगस्त 2024 को थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उसने बताया कि उसका 16 वर्षीय नाबालिग पुत्र 22 अगस्त 2024 फुटबाल मैच देखने जाने की बात कहकर गया और वापस घर में नहीं आया। परिजनों ने नाबालिग के अपहरण का आशंका जताई। शिकायत के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जशपुर एसपी शशिमोहन सिंह ने कुनकुनी थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया और नाबालिग की शीघ्र पतासाजी करने कहा।

विवेचना के बाद दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कि जिस दिन से नाबालिग बालक लापता है उसी दिन से गांव की एक विवाहित महिला भी दिख नहीं रही। मुखबिर से यह भी पता चला कि वहीं महिला नाबालिग बालक को हरियाणा ले गई है तथा ग्राम सानपुर थाना सेफीदोन क्षेत्र में एक किराये का कमरा लेकर रह रही है। इस जानकारी के बाद एसपी शशिमोहन सिंह के निर्देश पर एक टीम को हरियाणा रवाना किया गया। टीम द्वारा दबिश देकर उक्त महिला एवं बालक को वापस थाना कुनकुरी में लाया गया।

अपहृत बालक से पूछताछ करने पर उसने बताया कि करीब 6-7 माह पूर्व से उसका उक्त महिला से जान परिचय हुआ। महिला बहला-फुसलाकर उसका बीच-बीच में शारीरिक शोषण करने लगी। इसके बाद महिला बालक को अपने साथ भगाकर हरियाणा ले गई। हरियाणा में महिला ने लगातार नाबालिग से शारीरिक संबंध बनाए। कुनकुरी पुलिस ने 25 वर्षीय महिला के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी कुनकुरी उप निरीक्षक सुनील सिंह, एएसआाई मनोज साहू, महिला प्रधान आरक्षक चंपा पैंकरा, आरक्षक भूपेन्द्र यादव एवं सायबर सेल से उप निरीक्षक नसरूद्दीन अंसारी, आरक्षक अनिल सिंह, सोनसाय भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विवाहिता से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो वायरल करने की देता रहा धमकी

भिलाई। विवाहिता से दुष्कर्म व ब्लैकमेलिंग करने वाले बदमाश को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पहले विवाहित महिला को अपने प्रेमजाल में फंसाया और उससे शादी करने का भरोसा दिलाया। इस बीच विवाहिता से शारीरिक संबंध बनाए और अश्लील वीडियो व फोटो खींच लिए। इसके बाद ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा और यही नहीं अश्लील फोटो व वीडियो विवाहिता के देवर को भेज दिया। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीडिता थाना सुपेला पहुंचकर बताया कि हार्डवेयर लाईन सुपेला निवासी महेन्दर कुमार से परिचय हुआ था। इसके बाद मोबाइल बात होने लगी और उसने पीडिता को शादी का प्रलोभन दिया और संबंध बनाए। इस दौरान पीडिता की जानकारी के बिना अश्लील वीडियो बना लिया। पीड़िता द्वारा मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फोटो व वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी और उसकेके देवर को भेज दिया। पीडिता की शिकायत पर अपराध दर्ज किया।

इधर थाने में शिकायत व अपराध दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद आरोपी महेन्दर कुमार अपने गांव भागने की फिराक में था। सुपेला पुलिस को जैसे ही आरोपी के भिलाई छोड़कर अपने मूल निवास गोरा बाजार कसाई मोहल्ला गाजीपुर उत्तर प्रदेश जाने की सूचना मिली पुलिस ने घेराबंदी का भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन से उसे गिरफ्तार किया। आरोपी अपने गांव उत्तर प्रदेश भागने के फिराक में स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहा है। आरोपी को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक राजेश मिश्रा, एएसआई खुशबू वर्मा, राजेश सिंह, प्रधान आरक्षक उपेन्द्र सिंह, आरक्षक संतोष राय का विशेष योगदान रहा।

सीएम साय का बनाया फर्जी फेसबुक अकाउंट, ठग गिरफ्तार

■ देशभर के वीवीआईपी की फेक आईडी बनाकर करते हैं वसूली, एक पहले हो चुका है गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की फर्जी फेसबुक आईडी बनाने वाला राजस्थान के जयपुर का ठग निकला। शातिर ठग ने 2022 में आईडी बनाई थी। बताया जा रहा है कि ये ठग देशभर के वीवीआईपी की फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर रुपयों की वसूली करते थे। रायपुर पुलिस ने आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार किया है।

आरोपी का नाम राकेश परिहार है, जो राजस्थान के जयपुर जिले के फुलेरा तहसील का रहने वाला है। आरोपी ने फेक आई की प्रोफाइल फोटो में श्रीरूसाय की फोटो लगाई थी। इसके अलावा आईडी के कवर फोटो में भी उनकी तस्वीर लगाई थी। पुलिस ने एक महीने पहले अलवर के रहने वाले साहूकार खान को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया था।

बताया जा रहा है कि इस आईडी से कई लोगों को मैसेज भी भेजा गया था। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई कि इस आईडी से रुपयों की ठगी हुई है या नहीं। हालांकि सोशल मीडिया में मुख्यमंत्री के कई समर्थक इस आईडी को टैग करके अपनी पोस्ट भी शेयर कर रहे हैं, जिसे सैकड़ों लोग लाइक और कमेंट भी किए थे।

राजस्थान के कई इलाकों में ऐसे ठग एक्टिव

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, अलवर के रामगढ़ इलाके और जयपुर के फुलेरा में कई ऐसे ठग हैं, जो देशभर के वीवीआईपी की फोटो और नाम का उपयोग करके फर्जी आईडी बनाते हैं। ये ठग इन फर्जी आईडी के सहारे वीवीआईपी के नाम पर उनके फ्रेंड्स ग्रुप में जुड़े लोगों को रुपए वसूलने में लिए मैसेज भेजते हैं। इन आईडी से अधिकारियों को भी आदेश के तौर पर मैसेज भेज कर गुमराह करते हैं। कई बार ये ठग वीवीआईपी की फोटो और सोशल मीडिया में डाले वीडियो को बड़ी ही चालाकी से एडिटिंग कर आपत्तिजनक कंटेंट बना लेते हैं। फिर उसे वीवीआईपी को भेजकर उन्हें ब्लैकमेल करते हैं। इन फोटो और वीडियो हटाने के लिए वे पैसे वसूली से लेकर कई अन्य तरह के दबाव बनाते हैं।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

EmailId:- durgmc 2019 @gmail.comPhone:- 0788-2322148

-:: मेनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक- 421/लो.क.वि./2024--25 दुर्ग, दिनांक-18/09/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लो. नि.वि. में प्रचलित भवन/सडक एस0ओ0आर0 01.01.2015 के आधार पर तथा निविदा दिनांक से संशोधित दर पर कम/अधिक प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र कय हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -25.09.2024
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि -03.10.2024
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि -09.10.2024
निविदा खोलने की तिथि - 10.10.2024 शाम 5.00 बजे

क	कार्य का नाम/स्थल विवरण	लागत (लाख में)
1	वार्ड क.50 बंशी विहार कालोनी के गली नं. 3 एवं 4 में सी.सी.रोड निर्माण कार्य।	19.98
2	वार्ड क.50 बंशी विहार कालोनी के गली नं. 1 एवं 2 में सी.सी.रोड निर्माण कार्य।	18.00
3	वार्ड क0 51 मे पंचशील सेक्टर ए व बी. में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	17.96
4	वार्ड क.52 कदम प्लाजा के सामने पूर्व फौजी के घर के पास खान घर व प्रितम यादव घर तक सी.सी.रोड निर्माण।	11.82
5	वार्ड क.52 महाराणा प्रताप नगर में नाली निर्माण कार्य।	18.00
6	वार्ड कं. 52 में न्यू सूंदर नगर शिव मंदिर रोड में सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	10.00
7	वार्ड क. 52 बोरसी दक्षिण आजाद चौक सिया बाई के घर गायत्री बंजारे के घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	6.00
8	वार्ड क. 52 बोरसी दक्षिण माली पारा में आंगनबाड़ी केंद्र के पिछे सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	6.00
9	वार्ड क. 52 महाराणा प्रताप नगर मुख्य मार्ग एवं आशीष सरकार के घर से मुक्तिधाम तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	20.00
10	वार्ड क.52 अंतर्गत देशमुख मार्बल के सामने गली में नहर नाला तक नाली निर्माण कार्य।	11.62
11	वार्ड क0 53 गली न0 01/ए विवेकानंद नगर बोरसी मे नाली निर्माण कार्य।	10.10
12	वार्ड क्र.53 अंतर्गत लक्की शर्मा के घर के पीछे नाली निर्माण कार्य।	8.67
13	वार्ड क. 53 मिनाक्षी नगर में सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	18.48
14	वार्ड क0 53 विवेकानंद नगर सड़क न0 4 एवं अन्य गलियां में सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	19.74
15	वार्ड क.53 मीनाक्षी नगर में नाली निर्माण कार्य।	13.97
16	वार्ड क. 53 पोटियाकला उत्तर में भीखम साहू के घर से जतिन सोनी के तक डब्लू. बी. एम. रोड़ निर्माण कार्य।	9.87
17	वार्ड क.54 टोमेखा साहू से महोबिया घर एवं सिन्हा घर से साहू घर एवं वर्मा से साहू घर तक पोटियाकला आबादी पारा में सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	12.17
18	वार्ड क.55 मे कमल साहू से प्रेम लाल घर तक पुलगांव में सी.सी.रोड निर्माण कार्य।	8.07
19	वार्ड क. 55 पुलगांव गोकुल नगर गौठान के पास डब्लू.एम.एम सड़क निर्माण कार्य।	15.35
20	वार्ड क.55 पुलगांव पोटिया पहुंच मार्ग हतु डबलू.बी.एम. सड़क निर्माण कार्य।	18.00
21	वार्ड क.56 बघेरा में बिजली आफिस के पीछे भाटापारा स्कूल से भागीरथी साहू के घर के आगे तक सी.सी.रोड व नाली निर्माण कार्य।	19.82
22	वार्ड क.56 साई नगर बघेरा इंदिरा नगर दुर्ग में सी.सी.रोड व नाली निर्माण कार्य।	19.80
23	वार्ड क.57 बघेरा शीतला मंदिर तालाब के नीचे राम दरबार मंदिर राम नगर उरला दुर्ग मे सी.सी.रोड व नाली निर्माण कार्य।	19.42
24	वार्ड क..57 श्री नगर उरला में डबलू एम.एम.रोड निर्माण कार्य।	19.36
25	वार्ड क.57 उरला राम नगर जयकरण सोनी पटवारी के घर से राहूल गुप्ता के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	19.90
26	वार्ड क.58 जयंती नगर से साईं नगर जाने वाले मुख्य मार्ग, देशमुख घर के सामने राजेश गुप्ता के घर तरफ डी.पी.एस. स्कूल मार्ग का सीमेंटीकरण	19.75
27	वार्ड क 58 साई नगर में निरज कांत से मुकेश देवांगन एवं भावना पांडेय के घर से विशाल अग्रवाल के घर से नहर नाला तक नाली निर्माण कार्य।	11.99
28	वार्ड कं 58 कबीर नगर बी.डी. कालोनी से काली मंदिर के पिछे डब्लू.एम.एम. सड़क निर्माण कार्य।	18.00
29	वार्ड क 59 कातुल बोर्ड यादव पारा में नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	5.01

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in. एवं www.uad.cg.gov.inसे भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

गांजा तस्करी के मामले सजा काट रहे भिलाई के युवक की जेल में मौत

दुर्ग। जेल मे गांजा तस्करी के मामले सजा काट रहे भिलाई के एक युवक की संदिग्ध मौत हो गई है। इस मामले में परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार कोसानगर उड़िया पारा निवासी सुन्दर जाल उम्र 30 वर्ष की शुक्रवार की सुबह मौत हो गई जेल प्रसासन ने उसे पीएम के लिए दुर्ग भेज परिजनों को उसकी मौत की सुचना दी है। गुसाए परिजनों ने जेल प्रसासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया की 2 दिन पहले ही मृतक की बुआ जेल मिलने गई थी तब उसे किसी तरह का कोई समस्या नहीं थी।

अचानक शुक्रवार की सुबह उसकी मौत की खबर जेल प्रबंधक द्वारा दी गई। पूरे मामले पर मृतक के भाई राजेंद्र सागर ने कहा की पुरे मामले की जांच होनी चाहिए ताकि मृतक को न्याय मिल सके। परिजनों ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से मामले मे शिकायत की है और मांग करते हुए कहा की पुरे मामले की निरपक्ष जांच हो ताकि परिजनों को न्याय मिल सके।

जादू-टोना के आरोप में दंपती की बेरहमी से पिटाई महिला का पैर टूटा, गुस्साए ग्रामीणों ने थाना घेरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले जादू-टोना के शक में एक परिवार के लोगों ने दंपति की बेदम पिटाई कर दी। महिला को पैर टूटते तक पीटा गया है। आरोप है कि अब तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में कल देर रात ग्रामीणों ने कवर्धा एसपी ऑफिस का घेराव कर दिया। पूरा मामला पंडरिया थाना क्षेत्र के लालपुर खूर्द गांव का है। वही घायल पति-पत्नी जिला अस्पताल में भर्ती है, जिनका उपचार चल रहा है।

पुलिस ने दर्ज किया काउंटर केस

पीड़ित पति-पत्नी के मुताबिक, घर में माता पिता, दो भाई और भाभियों ने उन पर जादू टोना करने का आरोप लगाते हुए लाठी डंडे से पिटाई की। आसपास के ग्रामीणों ने दोनों पीड़ितों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित पति-पत्नी ने पुलिस पर भी कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित दंपती के घर का कोई न कोई सदस्य हमेशा बीमार रहता है। इस बात को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा है। पहले भी दो बार पीड़िता ने सास-ससुर के खिलाफ पंडरिया थाना में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों पक्ष शिकायत पर मामला दर्ज किया और विवाद चलता रहा। वर्तमान में पंडरिया थाना शिकायत आवेदन ले लिया गया है।

केस रफा-दफा करने पुलिस कर्मियों ने ली दो लाख 40 हजार रुपए की घूस, सस्पेंड

■ कोरबा के दीपका थाना में थे पदस्थ, एसपी ने लिया एक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में केस रफा-दफा करने के लिए एएसआई व प्रधान आरक्षक द्वारा दो लाख 40 हजार रुपए लिए जाने का मामला सामने आया है। एएसआई परमेश्वर राठौर और प्रधान आरक्षक योगेश रात्रे द्वारा खुसरूडीह विजय नगर निवासी अर्जुन दास कुलदीप से केस निपटाने के लिए रुपए लिए गए।

इस मामले में जांच के बाद जिले के एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने दोनों पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। दोनों पुलिस कर्मी दीपका थाना क्षेत्र में पदस्थ हैं। संस्पेंशन के दौरान इनका मुख्यालय रक्षित केन्द्र, कोरबा रहेगा तथा नियमानुसार भत्ते देने होंगे।

खुसरूडीह विजय नगर निवासी अर्जुन दास कुलदीप ने अपनी शिकायत में बताया कि एक प्रकरण को रफा-दफा करने के एवज में थाना दीपका के एएसआई परमेश्वर राठौर और प्रधान आरक्षक योगेश रात्रे द्वारा उसके लड़के को थाना दीपका बुलाकर दो लाख चालीस हजार रुपए लिए। शिकायत की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए इसकी जांच नगर पुलिस अधीक्षक, दर्री से कराई गई। जांच प्रतिवेदन में शिकायत सही पाई गई। इसके बाद एएसआई परमेश्वर राठौर और प्रधान आरक्षक योगेश रात्रे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इस संबंध में एसपी ने आदेश जारी कर दिया है।

रायगढ़ में नाबालिग से दरिंदगी, शादीशुदा युवक धमकी दे कर रहा था दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार चक्रधर नगर थाना क्षेत्र में कल पीड़िता के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि नवीन भट्ट 45 साल के युवक ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया है।

पीड़िता के परिजनों ने बताया कि पिछले साल दिसंबर माह में नवीन भट्ट रात में कॉल कर पीड़िता को घर के बाहर बुलाया। बालिका के घर के बाहर निकलने पर नवीन उसे अपने कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। लोक लाज के भय और आरोपी की धमकी से नाबालिग ने घर में किसी को यह बात नहीं बताई।

पीड़िता ने अपने साथ हुई इस घटना की जानकारी अपनी मां को दी। जिसके बाद परिजनों ने परिवारिक सलाह मशवरा करने के पश्चात चक्रधर नगर थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कराया है। शिकायत के बाद चक्रधर नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376,506 आईपीसी 4 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

रा0प्र0क0 / अ-6/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक परमजीत सिंह पति स्व0 सरदार मोहन सिंह निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प0ह0नं0 45 स्थित भूमि ख0नं0 8048/1 रकबा 0.01हे0 भूमि आवेदक के पति सरदार मोहन सिंह के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। खातेदार की मृत्यु होने से मृतक का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23.09.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29.08.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

संवेदनशील मुख्यमंत्री करते हैं जनदर्शन में लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण

मुख्यमंत्री साय ने जनदर्शन में सुनी हजारों लोगों की समस्याएं, मरीजों को मिली तत्काल मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में मरीजों को इलाज के लिए तत्काल आर्थिक सहायता मंजूर करने के साथ ही दिव्यांगों को मोटराईज्ड ट्राइसाइकिल, वॉकर सहित अन्य सहायक उपकरण प्रदान की। जनदर्शन कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न इलाकों से सभी आयु वर्ग एवं समाज के हजारों लोग अपनी समस्या एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे थे। जनदर्शन कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ और शाम 7 बजे तक चला। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान एक-एक कर सभी लोगों की समस्याओं एवं मांगों को बड़ी तन्मयता के साथ सुना और निदान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में लोगों के प्रवेश की व्यवस्था को भी सहज रखा गया था, ताकि लोगों को किसी भी तरह की तकलीफन हो। कार्यक्रम स्थल में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य परीक्षण का भी प्रबंध किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने जनदर्शन कार्यक्रम में इलाज के लिए मदद का आवेदन लेकर आई रायपुर आमापारा की उषा ठाकुर, जो कि ओरल कैंसर से पीड़ित हैं, उन्हें इलाज के लिए एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने रायपुर के गुढ़ियारी निवासी रोशन साहू के 8 वर्षीय बीमार पुत्र के इलाज के लिए 25 हजार रूपए तथा दिव्यांग कलाकार विवेक भोंसले को वाद्ययंत्र खरीदने के लिए 15 हजार रूपए का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने जनदर्शन कार्यक्रम में दिव्यांग राजूराम वाचम और लीलाशंकर साहू को मोटराईज्ड ट्राइसायकिल, मोहम्मद रसीद कुरैशी को व्हीलचेयर, इंद्रसेन गोस्वमी को एल-बो क्रेच एवं विवेक शर्मा को वॉकर प्रदान किया। जनदर्शन में आने वाले लोगों के लिए बैठने और स्वल्पाहार का विशेष प्रबंध मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश के परिपालन में किया गया था।

जशपुर में जलाशय को संरक्षित करने की मांग

जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जशपुर जिले के ग्राम कदेलकछार निवासी विनोद कुमार लकड़ा ने मुलाकात कर जुनाडीह से बरकानी सड़क निर्माण का मामला लंबित होने की जानकारी देने के साथ ही सड़क निर्माण शुरू कराए जाने का आग्रह किया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम माल्दी के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से गांव के जलाशय क्षेत्र को अतिक्रमण से बचाने तथा इसमें संलिप्त लोगों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से इस जलाशय को संरक्षित करने के साथ ही पूर्व की भांति इससे किसानों को सिंचाई के लिए जलापूर्ति किए जाने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए तत्काल 20 हजार रुपए सहायता राशि स्वीकृत कर सौंपा चेक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जनदर्शन में लोगों की समस्याओं का त्वरित निदान हो रहा है। मुख्यमंत्री आज रायपुर स्थित अपने निवास पर आयोजित जनदर्शन में प्रदेशभर से आए लोगों से मिल रहे हैं और बारी-बारी से उनकी समस्याएं एवं जरूरतें सुन निराकरण के लिए अधिकारियों को तत्काल निर्देशित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आस लेकर जनदर्शन पहुंची रायपुर के कोटा में रहने वाली श्रीमती किरण मिश्रा के लिए 20 हजार रुपए तत्काल मंजूर किए। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने चंद मिनटों में ही उसे 20 हजार रुपए का चेक भी सौंप दिया।

मुख्यमंत्री के जनदर्शन में श्रीमती किरण मिश्रा अपने पति और दो छोटे बच्चों के साथ पहुंची थी। वह लंबे समय से स्त्री रोग संबंधी परेशानियों से जूझ रही है। हालांकि वह लगातार इलाज करा रही है, परंतु तकलीफपूरी तरह ठीक नहीं हो पाई है। किरण के पति इलेक्ट्रिशियन का काम कर घर का खर्चा चलाते हैं। खराब आर्थिक स्थिति के चलते वह इलाज के लिए आर्थिक सहायता हेतु आज मुख्यमंत्री से मिलने आई थी। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उसकी परेशानी को देखते हुए तत्काल 20 हजार रुपए मंजूर कर कुछ ही मिनटों में चेक भी सौंप दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रोजेक्ट 'जागृति' के फ्लेक्स का किया विमोचन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास में आयोजित 'जनदर्शन' में भिलाई की संस्था 'स्वयंसिद्धा' द्वारा संचालित प्रोजेक्ट 'जागृति' के फ्लेक्स का विमोचन किया। संस्था द्वारा प्रोजेक्ट 'जागृति' के माध्यम से दुर्ग जिले के 200 स्कूलों में बच्चों और पालकों को अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरूद्ध जागरूक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए इस नई पहल के लिए सदस्यों की पीठ थपथपाई। मुख्यमंत्री श्री साय को 'स्वयंसिद्धा' की संस्थापक एवं निदेशक डॉ. सोनाली चक्रबर्ती ने बताया कि प्रोजेक्ट 'जागृति' के तहत बच्चों और पालकों को गंदी भाषा व अश्लीलता के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक और सेन्सिटाइज किया जा रहा है। दुर्ग जिले के 200 स्कूलों में यह अभियान चलाया जा रहा है। शिक्षक दिवस के मौके पर विगत 5 सितम्बर से यह अभियान प्रारंभ किया गया है। टीवी, मोबाइल, ओटीटी व वेब सीरीज के बुरे प्रभाव के चलते बच्चों की भाषा बेहद चिंताजनक स्थिति में है। इसे सुधारने के लिए संस्था द्वारा यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट 'जागृति' के माध्यम से स्कूली बच्चों की भाषा सुधारने के लिए कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही बच्चों को बिना गाली-गलौज के अच्छी भाषा में बात करने का संकल्प दिलवाया जा रहा है। इसके लिए अभिभावकों के लिए भी अलग से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने जनदर्शन में अंजुम को दी 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

रायपुर। संवदेनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पास पहुंचने वाले हर व्यक्ति को यथासंभव राहत मिलती है। इसका उदाहरण आज एक बार फि र देखने को मिला। जनदर्शन में आर्थिक सहायता की उम्मीद लेकर पहुंची सुश्री अंजुम को 20 हजार रूपए की आर्थिक सहायता का चेक मुख्यमंत्री के हाथों मिला। कैंसर पीड़ित मो. आदिल जाफ्री की बहन सुश्री अंजुम ने जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात कर उन्हें बताया कि उनके भाई का नि:शुल्क इलाज राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव आम्बेडकर अस्पताल में चल रहा है। सुश्री अंजुम ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने अन्य जरूरी खर्चों के लिए मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें जनदर्शन के दौरान 20 हज़ार रुपए की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि मोमिन पारा, तत्यापारा वार्ड निवासी सुश्री अंजुम के भाई मो. आदिल जाफ्री पेट के कैंसर से पीड़ित हैं। वर्ष 2016 में उन्होंने हैदराबाद के एआईजी हॉस्पिटल मे ऑपरेशन करवाया था। तब से आज तक लगातार वो दवाइयों का उपयोग करते आ रहे हैं। किन्तु विगत 1 माह से पेट मे दर्द होने के कारण उन्होंने 16 सितंबर 2024 को एम्स हॉस्पिटल रायपुर में जांच कराया। जांच उपरांत जो रिपोर्ट आई उसमें पता चला कि पुराना रोग फ़िर से बढ़ गया है तथा पेट की काफी हिस्से में संक्रमण फैल गया है।

मुख्यमंत्री जनदर्शन से आ रही लोगों के चेहरे पर मुस्कान, दिख रही है जीवन में बदलाव की नई किरण

रायपुर में मुख्यमंत्री निवास का जनदर्शन गुरुवार आम दिनों जैसा नहीं होता। इस दिन सीएम निवास लोगों की उम्मीदों को पूर्ण करने और समस्याओं के त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने वाला ओपन हाउस बन जाता है। दु:ख और तकलीफें से भरी ज़िंदगी में जनदर्शन लोगों के लिए एक नई आशा की किरण है। जनदर्शन के दिन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय लोगों की समस्याओं को सिर्फ सुनते ही नहीं, बल्कि दिल से महसूस करते हैं। यहां आने वाले लोग न सिर्फ राहत की उम्मीद लेकर आते हैं, बल्कि अपने जीवन में बदलाव की नई किरण और अपनी परेशानियों का समाधान लेकर वापस जाते हैं।

मुख्यमंत्री जनदर्शन का हर गुरुवार उन कहानियों का मंच बनता है, जहां तकलीफ और संघर्ष को पीछे छोड़कर लोग नई आशा के साथ नई शुरुआत का स्वागत करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के संवेदनशील और त्वरित फैसलों से सीएम हाउस पहुँचे लोगों के चेहरों पर अमुल्य मुस्कान और समस्याओं के समाधान मिलने की संतुष्टि होती है। हर मुलाकात, हर समाधान एक ऐसा पल होता है, जहां मुख्यमंत्री हर एक के परिवार के मुखिया बन जाते हैं। जनदर्शन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जनता के बीच भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। जनदर्शन के दौरान दूरस्थ स्थानों से आए कोई न कोई विवेक, कोई राजू, कोई उषा मुख्यमंत्री से अपनी समस्याएं साझा करते हैं, और बदले में समाधान और अपनापन लेकर लौटते हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण हैं रायपुर के भनपुरी में रहने वाले विवेक शर्मा, जिन्होंने दुर्घटना में अपना पैर खो दिया था। इस हादसे के बाद विवेक का जीवन जैसे ठहर गया था। चलने-फ़िरने में असमर्थ होने के कारण उन्हें नौकरी नहीं मिल पा रही थी, और अपने परिवार की जिम्मेदारी भी पूरी नहीं कर पा रहे थे। आज मुख्यमंत्री निवास से बाहर निकलते वक्त उनके हाथ में केवल वॉकर नहीं था, बल्कि उनके चेहरे पर फ़िर से मुस्कान लौट आई थी। वॉकर मिलने से उनकी जिंदगी में फ़िर से उम्मीद जगी और उनका खोया हुआ आत्म-गौरव फ़िर से वापस आ गया। उन्होंने मुख्यमंत्री को दिल से धन्यवाद दिया और कहा, 卐अब मुझे चलने में कोई परेशानी नहीं होगी, हमारे मुखिया ने मुझे सिर्फ चलने का सहारा नहीं दिया बल्कि जीने की राह दिखा दी।卐 यह वॉकर विवेक के लिए सिर्फ एक सहारा नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत थी।

बीजापुर के राजूराम वाचम की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। पोलियो की वजह से चलने में तकलीफ झेलने वाले राजूराम को हर दिन 11 किलोमीटर का सफ़र तय कर आईटीआई पहुंचना पड़ता था। उनकी इस समस्या का हल भी जनदर्शन में मिला। मुख्यमंत्री से मिली मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल ने न सिर्फउनकी तकलीफें कम कीं, बल्कि उन्हें फ़िर से अपनी पढ़ाई जारी रखने की हिम्मत दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अपने प्रत्येक जनदर्शन में यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को मदद मिले और कोई भी व्यक्ति उनकी चौखट से मायूस न लौटे। यही जनदर्शन की असली सफ़लता है। रायपुर की उषा ठाकुर,

जो ओरल कैंसर से पीड़ित हैं, उनके लिए भी जनदर्शन एक नई उम्मीद लेकर आया। इलाज के लिए 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता पाकर उषा की आंखों में आंसू थे, लेकिन ये आंसू राहत और आभार के थे। उन्हें सिर्फ मदद नहीं मिली, बल्कि उन्होंने यह विश्वास भी पाया कि उनका जीवन मायने रखता है। इसी तरह, जशपुर से आई दृष्टिबाधित कुमारी रूपवर्षा ने पढ़ाई में आ रही दिक्कतों के लिए ऑर्बिट रीडर यंत्र की जरूरत जाहिर की। मुख्यमंत्री ने उनकी इस मांग को ध्यान से सुना और मदद का आश्वासन देकर उनके भविष्य को संवारने की ओर एक कदम बढ़ाया। जनदर्शन में न केवल शारीरिक कठिनाइयों से जूझ रहे लोगों को सहारा मिलता है, बल्कि प्रतिभाशाली व्यक्तियों की कला और हुनर को भी नई उड़ान मिलती है। विवेक भोंसले, जो बचपन से ही दिव्यांग हैं, रायपुर के राजा तालाब के निवासी हैं। महज 8 साल की उम्र से ढोलक पर अपनी महारत हासिल करने वाले विवेक को संगीत के प्रति गहरी रुचि है, लेकिन वाद्य यंत्रों की कमी उनके सपनों के बीच आ गई थी ।जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मिलकर उन्होंने वाद्य यंत्र खरीदने के लिए सहायता की मांग की। मुख्यमंत्री ने बिना देर किए 15,000 रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा, जिससे विवेक का हौसला बढ़ने के साथ ही अब उसके लिए संगीत का सफ़र आसान होगा। जनदर्शन सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, यह संवेदनशीलता, अपनेपन, दुलार, ख्याल और उम्मीद की तस्वीर है। यह एक ऐसे जननेता की कहानी है जो न केवल लोगों की बातें सुनते हैं, बल्कि उनकी समस्याओं को अपना मानकर उनका हल भी ढूंढते हैं। हर बार जनदर्शन में पहुँचे लोग न सिर्फ अपनी परेशानियों का समाधान लेकर लौटते हैं, बल्कि अपने मुखिया के प्रति अटूट विश्वास और एक बेहतर कल की नई उम्मीदों को भी संजोते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950